राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 18 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–82 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक्शन में आई दिल्ली पुलिस, जहांगीरपुरी हिंसा मामले में पहली FIR दर्ज, अब तक 9 लोग गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल की टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। इलाके में स्थिति को नियंत्रण में रखने को भारी पुलिस बल के साथ ही पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों को भी तैनात किया गया है।

नई दिल्ली। डीसीपी (नॉर्थ-वेस्ट) उषा रंगनानी ने बताया कि जहांगीरपुरी हिंसा मामले में अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी ने बताया कि इस हिंसा में 8 पुलिस कर्मियों और 1 नागरिक सहित 9 लोग घायल हो गए थे। एक सब-इंस्पेक्टर को गोली लगी है और उनकी हालत स्थिर है। घायलों को बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल भर्ती कराया गया है।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धाराओं 147, 148, 149, 186, 353, 332, 323, 427, 436, 307, 120 बी और 27 आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर कर अब तक नौ आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल समेत कई टीमें मामले की जांच में जुटी हैं। इलाके में स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए भारी पुलिस बल के साथ ही पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों को भी तैनात किया गया है।

घटना के एक कथित वीडियो में कई लोगों को जुलूस के दौरान पथराव करते देखा गया। वहीं, कुछ को सड़क पर तलवारें लहराते हुए देखा गया, जबकि अन्य गालियां दे रहे थे और इस दौरान पुलिस वाहन का सायरन भी बज रहा था।

गौरतलब है कि जहांगीरपुरी में शनिवार को हनुमान जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा में पथराव के बाद दो समुदायों में हिंसा भड़क गई, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। हिंसा के

दौरान कुछ वाहनों में आग भी लगा दी गई।

इस हिंसा की निंदा करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कहा है कि इस घटना के पीछे के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना के साथ स्थिति का जायजा लेते हुए बैजल ने लोगों से शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने दंगाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए नागरिकों से सोशल मीडिया पर अफवाहों और फर्जी खबरों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया। उन्होंने ट्वीट किया, उत्तर-पश्चिमी जिले में घटना के बाद हालात नियंत्रण में है। जहांगीरपुरी और अन्य संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थकों और विरोधियों के बीच हिंसा के बाद उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई सांप्रदायिक झड़पों में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 700 लोग घायल हुए थे।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धाराओं 147, 148, 149, 186, 353, 332, 323, 427, 436, 307, 120 बी और 27 आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर कर अब तक नौ आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

9 साल के लड़के ने पड़ोस की 4 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म, POCSO के तहत मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र में अपने पड़ोस की साढ़े चार साल की बच्ची का यौन शोषण करने के आरोप में 9 साल के लड़के के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह घटना उल्हासनगर कस्बे की है। ठाणे थाने में मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पीड़िता की मां ने शिकायत दर्ज कराई है कि 3 अप्रैल को लड़का खेलने के बहाने लड़की को सुनसान जगह पर ले गया और उसका यौन शोषण किया। घटना का पता तब चला जब लड़की ने प्राइवेट पार्ट में दर्द की शिकायत की। विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि लड़के को अभी तक हिरासत में नहीं लिया गया है।

वहीं, पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के हंसखली इलाके में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार और मौत की घटना के कुछ ही दिन बाद जिले में ही एक और किशोरी अपने रिश्तेदार के मकान में फांसी से लटकी हुई मिली है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की के पिता द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया कि धनताला में अपने रिश्तेदार के घर गई 15 साल की किशोरी के साथ उसके रिश्तेदार ने बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि किशोरी का शव उसके रिश्तेदार के मकान में फांसी के फंदे से लटके हुए मिला। उन्होंने बताया कि घटना के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि उसने यह स्पष्ट नहीं किया कि आरोपी उनमें से एक है या नहीं। अधिकारी ने यह भी कहा कि शिकायत के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया है लेकिन किशोरी के पिता उससे संतुष्ट नहीं हैं और दोबारा परीक्षण का अनुरोध किया है।

कोरोना के मामलों में फिर इजाफा, 24 घंटों में 1000 के पार पहुंची नए मामलों की संख्या

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी देखने को मिली है। 24 घंटों में मामलों में बड़ा उछाल आया है और नए मामलों की संख्या 1000 को पार कर गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 1,150 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 4 लोगों ने जान गवाई है। कल के मुकाबले 175 मामले ज्यादा आए हैं, कल 975 नए कोरोना केस मिले थे। हालांकि करीब चार दिनों बाद नए केसों की संख्या हजार के पार गई है। राहत की बात ये है कि कोरोना के मामलों में इजाफा होने के साथ रिकवरी में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। बीते 24 घंटों में 954 लोग कोरोना से ठीक हुए हैं। वहीं कल ये संख्या 796 की थी। दूसरी ओर मंत्रालय से मिले

आंकड़ों के अनुसार एक्टिव केसों की संख्या में भी इजाफा देखने को मिला है। एक्टिव केसों की कुल संख्या अब 11,558 हो गई है।

वैक्सीनेशन में तेजी जारी

भारत में वयस्कों को बूस्टर डोज देने के एलान के बाद से वैक्सीनेशन की रफ्तार एक बार फिर से तेज हो गई है। राज्यों के पास कई हफ्तों तक का स्टाक भी केंद्र सरकार ने मुहैया करा रखा है। बीते 24 घंटों में 12,56,533 कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई गई है। अब कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा भी 1,86,51,53,593 पर पहुंच गया है।

पहली बार अपराध करने वालों की संख्या बढ़ी, कोरोना-लॉकडाउन में रोजी-रोजगार छिनने से बने यह हालात

नई दिल्ली। दिल्ली में पिछले साल 11 फरवरी की रात को ग्रीन पार्क के पास एक युवक को एचडीएफसी बैंक के एटीएम से छेड़छाड़ करते देखा गया। यह मामला सफदरजंग एन्क्लेव पुलिस स्टेशन में दर्ज है। सिक्योरिटी ऑफिसर ने बताया कि चोर ने पेचकश और एक जोड़ी सरौता का इस्तेमाल करके एटीएम को खोलने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, पुलिस रिकॉर्ड में इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि उसने अपराध कैसे और क्यों किया। 21 वर्षीय दीपक राम आंध्र प्रदेश के चित्तूर में रसोइए के रूप में काम करता था। 2020 में कोविड -19 महामारी में देशव्यापी तालाबंदी के कारण उनसे नौकरी खो दी। आंध्र भोजनालय बंद हो गया था। वह जनवरी, 2021 में मजबूरन अपने गृह राज्य उत्तराखंड लौट आया लेकिन उसे यहां कोई नौकरी नहीं मिली।

लॉकडाउन में नौकरी गई तो घर लौटा फिर...

इसके बाद राम दिल्ली गया और एक दोस्त

के घर रुका। 11 फरवरी की शाम को उसने दक्षिणी दिल्ली के हार्डवेयर स्टोर से एक जोड़ी सरौता और पेचकश खरीदा। उसने एटीएम से पैसे चुराने का प्रयास किया। उसने सोचा कि वह डकैती करने के बाद घर लौट आएगा और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखेगा। लेकिन राम को उस रात एक घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला।

2 साल में ऐसे 70 लोगों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा

महामारी शुरू होने के बाद से पिछले दो वर्षों में गिरफ्तार किए गए कम से कम 70 पुरुषों और महिलाओं की कहानियां राम की कहानी के समान हैं। उन्होंने भी तालाबंदी के कारण अपनी नौकरी खो दी और अपराध करने लगे। फैक्ट्री के कर्मचारी, सॉफ्टवेयर कंपनियों के प्रबंधक, रेस्तरां के कर्मचारी, दिल्ली के बाजारों में दुकानों पर मदद करने वाले... इस तरह के बिना किसी पूर्व रिकॉर्ड के कम से कम 70 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जो महामारी के दौरान नौकरी गंवाने के बाद अपराध करते पकड़े गए।

वास्तविक आंकड़े पुलिस रिकॉर्ड से ज्यादा

25 मार्च, 2020 लॉकडाउन का पहला दिन था। इसके बाद से गिरफ्तारी के ऐसे मामले बढ़े हैं। ये तो वो मामले हैं जो पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं। वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, जिसमें कोई दोराय नहीं है। अपराधों के विवरण से यह भी पता चलता है कि वे कैसे चोरी, स्नैचिंग, डकैती, साइबर धोखाधड़ी या ड्रग खच्चरों के रूप में काम करने लगे।

किसानों की समस्या को लेकर वारंगल में किसान संघर्ष सभा करेंगे राहुल गांधी, निशाने पर होगी राज्य और केंद्र सरकार

हैदराबाद । कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले माह तेलंगाना दौर पर जाएंगे। दो दिवसीय इस दौरे के दौरान वे किसान संघर्ष सभा को वारंगल में संबोधित भी करेंगे। एएनआई से बात करते हुए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख और सांसद रेवांथ रेड्डी ने बताया कि राहुल गांधी 6-7 मई को प्रदेश आएंगे। राहुल गांधी का तेलंगाना दौरे का सबसे प्रमुख मकसद किसानों के मुद्दे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में किसान संकट में हैं। रेड्डी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार किसानों का अनाज खरीद नहीं रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने किसाना का ऋण माफ करने का वादा किया था जब उन्होंने इस बारे में भी अब तक कुछ नहीं किया है। यही वजह है कि किसान अब इसके खिलाफ संघर्ष शुरू करने वाली है। राहुल गांधी वारंगल की किसान संघर्ष सभा में इन्हीं मुद्दों को उठाएंगे। रेड्डी ने ये भ आरोप लगाया कि भाजपा और टीआरएस दोनों अंदरखाने मिली हुई हैं और साजिश रच रही हैं। पीएम मोदी और केसीआर दोनों ही एक हैं। कांग्रेस इन दोनों के ही खिलाफ लड़ रही है। किसानों के मुद्दे को कांग्रेस ने संसद में भी उठाया था। लेकिन, पीएम मोदी ने उनकी बात नहीं सुनी। कांग्रेस ने इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाया, लेकिन वहां पर भी किसी ने इस पर तवज्जो नहीं दी। अब कांग्रेस ने इस मुद्दे को सड़क से लेकर संसद तक में उठाने का फैसला किया है। हम किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरेंगे और राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ लोगों को जागरुक करेंगे।

कांग्रेस से डरी राज्य सरकार-कांग्रेस सांसद का कहना है कि ये राज्य और केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वो किसानों की फसल को बेकार न जाने दें और उनकी खरीद करें। पीएम मोदी और केसीआर सरकार इस मुद्दे पर एक दूसरे के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। इसकी वजह से किसानों के हालात लगातार खराब हो रहे हैं। जब से राहुल गांधी के तेलंगाना आने की तारीख तय हुई है तब से केसीआर भी अलर्ट हो गए हैं

अयोध्या मंदिर के लिए कब तक करना होगा श्रद्धालुओं को इंतजार? चंपत राय ने बताई तारीख

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य और तीर्थ के इंतजार में बैठे श्रद्धालुओं का इंतजार जारी है। अब राम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव चंपत राय नेजानकारी दी है कि मंदिर साल 2024 को मकर संक्रांति पर तैयार हो सकता है। राजधानी दिल्ली में अयोध्या पर्व कार्यक्रम के दौरान राय ने यह घोषणा की है। न्यूज18 के अनुसार, उन्होंने कहा, हालांकि, मैंने पहले कहा था कि राम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन 2023 के अंत में होगा। इसकी तारीख पर अंतिम मुहर नहीं लग पा रही है, क्योंकि सूर्य दक्षिणायन में है। इसलिए मकर संक्रांति पर मंदिर का उद्घाटन करने का हमारा लक्ष्य है, जब सूर्य उत्तरायण में प्रवेश करेगा। जिसे एक शुभ अवसर माना जाता है। तकनीकी तौर पर 14

जनवरी से पहले का दिन पिछले साल का आखिरी दिन होता है।

राय ने यह भी कहा कि वह दिन होगा, जब भगवान राम अपने वास्तविक स्थान पर विराजेंगे। निर्माण कार्य को लेकर राय ने कहा कि भगवान राम के बैठने के लिए ग्रेनाइट की 6 फीट ऊंची कुर्सी तैयार की गई है। उन्होंने कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि एक बार इस साल अगस्त में नींव और कुर्सी का काम पूरा होने पर मंदिर निर्माण शुरू हो जाएगा।%

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पत्थरों के तराशने का काम भी शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2020 में मंदिर की भूमि पूजन की थी।

वार्ता के अनुसार, राजघाट स्थित गांधी स्मृति एवं दर्शन के परिसर में हो रहे इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में शनिवार सुबह श्रीराम चरित मानस का अखंड पाठ शुरू हुआ। दोपहर में सांसद रमेश विधूड़ी ने अयोध्या पर प्रदर्शनी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने अवधी व्यंजनों की सीता रसोई एवं अवधी हाट का शुभारंभ किया। मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी थे जबकि विशिष्ट अतिथि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष एवं मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी कमलनयन दास, महामंत्री चंपत राय और वरिष्ठ पत्रकार जवाहरलाल कौल थे।

खनन विवाद में बढ़ सकती हैं सीएम हेमंत की मुश्किलें, मामला चुनाव आयोग में; पद पर रहते लीज लेकर पत्थर खदान चलाने का आरोप

रांची। झारखंड केमुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके छोटे भाई दुमका के विधायक बसंत सोरेन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीएम सोरेन पर मुख्यमंत्री रहते अपने नाम पत्थर खदान की लीज लेने के आरोप का का मामला भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) नई दिल्ली तक पहुंच गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने बसंत सोरेन पर भी विधायक रहते खनन कंपनी ग्रैंड माइनिंग में पार्टनर होने का आरोप लगाया था। दोनों पर रघुवर दास द्वारा लगाये गये आरोप और इससे संबंधित कागजातों को सत्यापित करने के लिये भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राज्य सरकार से पत्राचार किया गया है। हालांकि यह पत्र अगले एक दो दिन में राज्य सरकार को मिलने की उम्मीद है। राज्यपाल रमेश बैस ने मुख्य सचिव से भारत निर्वाचन आयोग के पत्राचार को लेकर चर्चा की है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पिछले दिनों एक पत्रकार वार्ता के माध्यम से सीएम हेमंत सोरेन पर मुख्यमंत्री रहते अपने नाम से पत्थर खदान लीज लेने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी आदि के साथ राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और इस संबंध में शिकायत की। उन्होंने राज्यपाल को इससे संबंधित कागजात भी उपलब्ध

कराये। भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री को विधान सभा की सदस्यता के लिये अयोग्य बताते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की। वहीं बसंत सोरेन पर भी विधायक रहते खनन कंपनी ग्रैंड माइनिंग में पार्टनर होने का आरोप लगाया था।

भाजपा राज्यपाल के पास उठा चुकी है मुद्दा-भाजपा नेताओं ने हेमंत और बसंत सोरेन पर सरकार से दोहरा लाभ लेने का आरोप लगाते हुए इनकी विधानसभा सदस्यता खत्म करने की मांग की। कहा कि यह कार्य गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से मंत्रियों के लिए जारी आचार संहिता का उल्लंघन है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(डी) के तहत आपराधिक कृत्य है। इसके साथ ही भाजपा नेताओं ने राज्यपाल से विधानसभा के सदस्यों की निरर्हता से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 192 के तहत निर्वाचन आयोग की राय लेकर निर्णय लेने का भी आग्रह किया।

दस्तावेजों के सत्यापन के लिए पत्राचार

भारत निर्वाचन आयोग सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक इस मामले में राजभवन की ओर से परामर्श मांगा गया है। इसके आधार पर ही आयोग ने उपलब्ध कराए गए कागजातों को सत्यापित करने के लिये पत्राचार किया है। कागजातों के सरकार के पास जल्द पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। सत्यापित कागजातों के आधार पर भारत निर्वाचन आयोग परामर्श देगा जिसके आधार पर राज्यपाल निर्णय लेंगे।

सुविचार

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है। - कथा सरित्सागर

संपादकीय

लापरवाही न हो

हाल के दिनों में दिल्ली, हरियाणा व मुंबई आदि शहरों में कोरोना संक्रमण के मामलों में वृद्धि चिंता बढ़ाने वाली है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ रही है, लेकिन कमजोर इम्यूनिटी वाले व गंभीर रोगों से पीड़ित उम्रदराज लोगों के लिये यह चिंता की बात जरूर है। चिंता जतायी जा रही है कि अप्रैल में ही दिल्ली में संक्रमण की दर .5 फीसदी से बढ़कर ढाई फीसदी होना एक नई चुनौती है। यहां तक कि नोएडा में कुछ स्कूलों में बच्चों के संक्रमित होने की खबरें भी सामने आई हैं। यह विडंबना ही है कि कोरोना की तीसरी लहर से उबरकर देश सामान्य होने लगा था, स्कूल खुल गये थे। देश में फिर से चहल-पहल लौटने लगी थी। ऐसे में फिर कोरोना संकट की दस्तक परेशान करने वाली है। पहली नजर में संक्रमितों की संख्या कम नजर आती है, लेकिन एक सत्य यह भी कि देश में कोरोना संक्रमण की जांच बहुत कम है। संभव है कि जांच में तेजी से संक्रमण की संख्या में भी तेजी नजर आये। लेकिन इतना तो तय है कि सरकार को इस संक्रमण को चुनौती मानकर सुरक्षा उपायों में वृद्धि करनी होगी। साथ ही नागरिक के रूप में हमें सतर्क व्यवहार करना होगा। यह तो तय है कि सुरक्षित दूरी, मास्क व लगातार हाथ धोने जैसे उपायों का कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। दरअसल, सरकार द्वारा कोरोना प्रतिबंध हटाये जाने के बाद हम खासे लापरवाह हो गये हैं। सार्वजनिक स्थलों में बहुत कम संख्या में लोग मास्क लगाये नजर आ रहे हैं, यह जानते हुए भी कि बहुरूपिया कोरोना वायरस पूरी दुनिया में फिर से कहर बरपा रहा है। यहां तक कि कोरोना संक्रमण के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाने वाला चीन भी बड़ी मुश्किल में फंसा है। विश्व में अधिक संक्रामक नये वेरिएंट ने लोगों की चिंताओं को बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि विगत में आईआईटी कानपुर ने सांख्यिकीय आधार पर देश में जून तक कोरोना लहर की बात कही थी। तब लोगों ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया था लेकिन अब जब कोरोना संक्रमण के आंकड़े बढ़ने लगे हैं तो लोग इसको लेकर गंभीर होने लगे हैं। हालांकि देश में अब व्यापक स्तर पर टीकाकरण हो चुका है। सरकार ने पिछले रविवार से इसका दायरा भी बढ़ाया है। सरकार ने 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिये निजी अस्पतालों में तीसरी सुरक्षात्मक डोज लेने की सलाह दी है। इससे पहले किशोरों को टीकाकरण अभियान भी सिरे चढ़ रहा है। अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं और साठ वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को सरकारी अस्पतालों में मुफ्त टीकाकरण अभियान बदस्तूर जारी है। फिर मांग की जा रही है कि दूसरी डोज व तीसरी डोज के बीच की अवधि को कम किया जाये। इसके पीछ सोच यह भी कि किसी भी वैक्सीन की रोग प्रतिरोधक क्षमता छह माह तक अधिक कारगर रहती है। सरकार यदि सभी लोगों को सरकारी चिकित्सा केंद्रों में टीकाकरण का विकल्प दे तो शायद बूस्टर डोज लगाने के अभियान में तेजी आ सके। इसके बावजूद सरकार व नागरिक स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत है। कोविड प्रोटोकॉल को गंभीरता से लेने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसा न हो कि हमें लापरवाही की बड़ी कीमत चुकानी पड़े। बहरहाल, संक्रमण में अचानक आई तेजी हम सब की चिंता का विषय जरूर होना चाहिए। हमें यह समझना चाहिए कि उपचार के बजाय बचाव ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है।

अपार पुरातत्व संपदा का धनी मध्यप्रदेश

(18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस पर विशेष/ लेखक-निलय श्रीवास्तव)

सांची घूमना हो या घूमना हो खजुराहों, आपको आना ही पड़ेगा देश के हदय स्थल मध्यप्रदेश में। एक बड़े भूभाग में फैले मध्यप्रदेश के चारों तरफ पुरातत्व महत्व का ऐसा बिछौना है जो यहाँ की शान है। सांची और खजुराहो विश्व के मूल्यवान पुरातत्व धरोहरों में गिने जाते हैं। अकूत पुरा सम्पदा से सम्पन्न मध्यप्रदेश के झाबुआ से लेकर मंडला तक जिधर नजर घुमाएंगे,उधर आपको देखने को मिल जाएगा। मध्यप्रदेश सभी .ष्टि से सम्पन्न और विविधता वाला राज्य है। देश में यह अपनी तरह का इकलौता प्रदेश है जहाँ बने दर्शनीय स्थल पर्यटकों को अपने पास बुलाते हैं, तो मंडला से झाबुआ तक पुरातत्व की इमारतें लोगों को मोहित करती हैं। एक ओर जहाँ पुरातात्विकधरोहर भारतीय संस्.ति दर्शाते हैं वहीं अन्य ऐतिहासिक स्थल विश्व पटल पर प्रसिद्धि पा चुके हैं। आलम यह है कि इन स्थलों की एक झलक पाने के लिये विदेशी पर्यटक चुम्बक की तरह खिंचे चले आते हैं। यहाँ बताते चलें कि विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के प्रमुख केन्द्र बिन्दु खजुराहो के कलात्मक मंदिर तथा धार्मिक स्थल ओरछा हैं। यह हमारे लिये गौरव की बात है कि विश्व की मूल्यवान पुरातत्व धरोहरों में भारत के जो सोलह स्मारक हैं उनमें से दो साँची और खजुराहों मध्यप्रदेश में ही हैं। यह स्मारक विश्व भर में अपनी वैभवता तथा प्राचीनता के लिये जाने जाते हैं। इनके अलावा भी प्रदेश में अनेक ऐसे पुरातन स्थल मौजूद हैं जिनकी भव्यता देखते ही बनती है। कुछ तो अपना अस्तित्व ही खोने की कगार पर हैं वहीं कई स्थल सरकार की गहन निगरानी तथा देखरेख में हैं। इन स्थलों में समय- समय पर सुधार तथा मरम्मत का काम चलता रहता है। 1953 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का केन्द्र बनने और विश्व में प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले खजुराहो के संरक्षण तथा विकास के लिये सर्वप्रथम सन् 1904 में काम शुरू हुआ था। खजुराहों के मंदिरों की खोज, जीर्णोद्धार संरक्षण आदि के लिये सन् 1927 तक काम चला था। अनेक मंदिर जो टूट- फूटकर नष्ट हो चुके थे, सैकड़ों मूर्तियाँ जमीन में दबी हुयीं बिखरी पड़ी थीं, उन्हें पुरातत्ववेत्ताओं ने व्यवस्थित कर पुन- मंदिरों के अंदर स्थापित किया। सन् 1950 दशक में चंदेल शासकों ने ही यहां भव्य मंदिरों का निर्माण कराया था। मंदिरों की कारीगरी को देखकर आभास होता है कि इस स्थापत्य कला ने जीवन तथा प्रेम का सामंजस्य बेजान पत्थरों के द्वारा लोगों को उपहारस्वरूप दिया है। किंवदंति है कि लगभग एक हजार साल पहले चंदेल के राजपूत राजाओं ने खजुराहों में लगभग 85 मंदिरों का निर्माण करवाया था। इनमें से अब केवल 22 मंदिर ही सुरक्षित हैं। खजुराहो की ही तरह साँची पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक .ष्टि से प्रमुखता पा चुका हैं। साँची एक ऐसा प्राचीन और दार्शनिक स्थल है जिसके कारण विश्व के कई देशों में मध्यप्रदेश को पहचान मिली और इसे देखने पर्यटक यहाँ आते रहे। साँची के बौद्ध स्तूप विशेषत- दर्शनीय हैं। पर्यटक इन्हें देखकर उत्साहित होते हैं तथा इनके चित्र यादगार के रूप में अपने साथ ले जाते हैं। साँची के बौद्ध स्तूपों की देखभाल प्रमुखता से की जाती है। प्रयास किया जाता है कि देश तथा विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। सांची दो देशों को जोड़ने वाला एक प्रमुख स्थान है। पर्यटन तथा तीर्थ स्थल ओरछा एक छोटा सा गांव हैं परन्तु उसकी ऐतिहासिक कीर्ति-किंवदंतियों का कोई ओर-छोर नहीं है। शायद यही कारण है कि खजुराहों और साँची के बाद विदेशी पर्यटकों की पसंद ओरछा है। प्राप्त संदर्भों के अनुसार चार शताब्दियों तक यहाँ के प्रतापी राजवंश का डंका मध्य भारत में बजता रहा था। शक्ति, संपदा,कला और गरिमामय वैभवशाली स्वरूप लिये हुए यह नगर इतिहास की करवट से खंडहरों में बदल गया था लेकिन वही ओरछा आज पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। ओरछा के शेष बचे महल और मंदिर अपने इतिहास, कला तथा शिल्प सौंदर्य से दर्शनों के लिये मौजूद हैं। अपने गौरवशाली अतीत को उजागर करने वाला मध्यप्रदेश का एक अन्य जिला मंदसौर में स्थित है हिंगलाजगढ़। वहाँ का पुरातात्विक वैभव लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। हिंगलाजगढ़ में परमारकालीन शिल्प कला.तियों का अद्भुत सौंदर्यशाली खजाना बिखरा पड़ा था। यहां के अवशेषों पर कलात्मक मूर्तियों के विशाल भण्डार से यह स्पष्ट है कि कभी यह वैभवशाली नगर रहा होगा। कला का इतना विशाल खजाना शताब्दियों तक घने जंगलों के बीच छिपा रहा और सन् 1978 में पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के प्रयासों से इन्हें खोज निकाला गया। तभी से इन्हें संरक्षित तथा सुरक्षित रखा गया है। शिवपुरी जिले के पिपरोदा गांव में 9 वीं शती ई.में प्रतिहार कला में बनाये गये विष्णु देव और शिव मंदिर को संरक्षित कर उनके रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। यहाँ समूह में

निर्मित विष्णु एवं शिव मंदिरों को सूक्ष्म .ष्टि से देखने पर ज्ञात होता है कि पूर्व में भी मानव एक दूसरे के धर्मो के समावेश में विश्वास रखते थे। मध्यप्रदेश की विशाल और बहुमूल्य पुरा सम्पदा की देखरेख तथा सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। हालांकि बहुमूल्य प्राचीन मूर्तियों को तस्करी के जरिये बाहर भेजने और मालामाल होने का कारोबार खूब फलने-फूलने की सूचना आती रही है तो राज्य शासन की सजगता से तस्कर अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत में बनी तथा भारतीयों द्वारा अब तक न देखी गयप सैकड़ों मूर्तियाँ सदा- सदा के लिये हमारे देश से चली जावेगी। देश के अलग-अलग हिस्सों से हर साल कितनी प्राचीन कला.तियां चोरी होती हैं इसका अनुमान लगाना सहज नहीं। लेकिन सर्तकता के कारण मध्यप्रदेश में ऐसी घटनाएं यदा-कदा ही होती हैं जो संतोष की बात है। यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश में अपार पुरातत्व संपदा है। स्मरण रहे कि मध्यप्रदेश की स्थापना के समय पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की पुरातत्वीय धरोहारों के संरक्षण के लिये सिर्फ छह संग्रहालय ही मिले थे। आज इनकी संख्या बढकर तीन गुना से भी ज्यादा है। इस दिशा में प्रयास लगातार जारी हैं। मध्यप्रदेश अपनी पुरा सम्पदा के लिए अलग ख्याति रखता है। अपनी इसी तरह की अलग विशेषताओं के कारण मध्यप्रदेश को देश का हृदय प्रदेश कहा जाता हैं।

चौथी लहर का खतरा

(लेखक-सिद्धार्थ शंकर)

एक बार फिर से भारत समेत दुनियाभर में कोरोना केस बढ़ने लगे हैं। दिल्ली, गुरुग्राम और मुंबई में कोरोना के नए मरीजों के मिलने का सिलसिला बढ़ रहा है। ऐसे में एक बार फिर कोरोना की चौथी लहर का खतरा बन गया है। देश के कुल 734 जिलों में से 29 ऐसे हैं, जहां वीकली पॉजिटिविटी रेट 5 फीसदी से ज्यादा है। इन जिलों में संक्रमण अभी बेकाबू है। इनमें से 23 में हाल और खराब है। इन 23 जिलों में पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से ज्यादा है, जबकि 8 जिले ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी रेट 20 फीसदी से ज्यादा है। पॉजिटिविटी रेट का मतलब है कि हर 100 टेस्ट होने पर कितने कोरोना मरीज मिल रहे हैं। देश में अब तक 4.30 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। देश में अब तक कुल 5.21 लाख मौतें हो चुकी हैं। एक्टिव केस की संख्या भी बढ़ कर 11 हजार से ज्यादा हो गई है। यह वाकई राहत की बात है। दो साल बाद पहली बार हम सामान्य स्थिति में आ पाए हैं। लेकिन इसका यह मतलब भी निकालना सही नहीं होगा कि महामारी चली गई है। सच तो यह है कि खतरा बरकरार है। चिंता की बात ज्यादा इसलिए भी है कि कई जिलों में हालात अभी भी गंभीर हैं। पिछले दो साल में देश महामारी की तीन लहरें देख चुका है। दूसरी लहर के दौरान भारत दुनिया के उन देशों में शामिल था, जहां संक्रमण से सबसे ज्यादा तबाही हुई। अमेरिका और ब्राजील के बाद सबसे ज्यादा लोग भारत में मरे। हालांकि तीसरी लहर में कहर इसलिए ज्यादा नहीं बरपा कि आबादी के बड़े हिस्से को टीका लग चुका था और पिछली गलतियों से सरकारों और लोगों ने सबक भी लिए। इसलिए ज्यादा मौतें नहीं हुईं। पर अब चौथी लहर की बात हो रही है। हालांकि विशेषज्ञ चौथी लहर को लेकर बहुत चिंतित नहीं हैं। भारत के ज्यादातर राज्यों में टीकाकरण का काम तेजी से चल रहा है। लेकिन अब एक मुश्किल यह है कि जिन लोगों ने एक साल पहले टीके लगवाए थे, उनका असर अब कितना रह गया होगा, कोई नहीं जानता। ऐसे में अगर प्रतिरोधक क्षमता कम पड़ने लगी तो फिर से लोग संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। यह बड़ा खतरा है। दुनिया के कुछ देशों में एक बार फिर से बिगड़ते हालात डराने वाले हैं। चीन में फिर से कोरोना संक्रमण फैल रहा है और कुछ शहरों में लॉकडाउन भी है। फ्रांस, इटली और जर्मनी में भी पिछले हफ्ते जिस तेजी से लाखों मामले अचानक आ गए, उससे लगने लगा कि कहीं पहले जैसे हालात तो नहीं बन रहे! दक्षिण कोरिया और हांगकांग में भी स्थिति विस्फोटक है। अभी भी पूरी दुनिया में संक्रमण के कुल मामलों में इकतालीस फीसद मामले एशिया से हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया में एक बार फिर संक्रमण फैलने का खतरा बताया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी अब सामान्य दिनों की तरह शुरू हो गई हैं। इसलिए खतरा कहीं ज्यादा है। केंद्र और राज्य सरकारें इस महामारी से निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं, इसका प्रमाण केवल यही नहीं है कि वे लगातार आवश्यक आदेश-निर्देश जारी कर रही हैं, बल्कि यह भी है कि उन पर अमल के लिए तत्परता भी दिखा रही हैं। इसके बावजूद यदि कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है तो इसका मतलब यही है कि संकट बड़ा है। यह तो तय है कि इस संकट से पार पाने के लिए आगे और भी कदम उठाने पड़ सकते हैं। ऐसे कठिन समय में यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि सरकारों और साथ ही स्थानीय प्रशासन की ओर से जो भी सुझाव दिए जा रहे हैं, उनका पालन पूरी गंभीरता के साथ किया जाए। चूंकि संकट बड़ा है, इसलिए आम जनता को यह समझना ही होगा कि किसी भी तरह की लापरवाही के लिए कहीं कोई गुंजाइश नहीं है। यह सही समय है कि हर कोई अपनी जिम्मेदारी समझे और खुद जागरूक होने के साथ ही औरों को भी जागरूक करे। साफ-सफाई और सेहत को लेकर अतिरिक्त सतर्कता दिखाने के साथ ही संयम एवं अनुशासन का भी परिचय देने की आवश्यकता है। जब स्वास्थ्य तंत्र को समर्थ बनाने के लिए युद्ध स्तर

पर प्रयास किए जा रहे हों, तब नागरिक के तौर पर हम सबको अपनी जिम्मेदारी का परिचय देने के लिए तत्परता दिखानी चाहिए। इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि किसी से कहीं कोई गफलत न होने पाए, क्योंकि कोरोना संक्रमित एक अकेले शख्स की लापरवाही सैकड़ों लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल सकती है। यह राष्ट्रीय संकल्प बनना चाहिए कि ऐसा नहीं होने देना है और देश को उस तीसरे दौर में नहीं जाने देना है, जहां संक्रमण बेलगाम-सा हो जाता है। यदि कोरोना संक्रमण का सिलसिला बेकाबू हुआ तो यह संकट कहीं अधिक गंभीर हो सकता है और तब लोगों को और अधिक पाबंदियों के साथ मुश्किलों का सामना करना होगा। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण का सामना शासन-प्रशासन से सहयोग करके ही किया जा सकता है। संकट की इस घड़ी में हर किसी को इसके लिए भी सक्रिय होना चाहिए कि हम सबका सामाजिक व्यवहार बदले। यदि सभी लोग सतर्क रहें और साथ ही हौसला भी बनाए रखें तो इस संकट से पार पाया जा सकता है।

आज के कार्टून

दया भावना

श्रीराम शर्मा आचार्य

सहानुभूति मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। हर मनुष्य दूसरे मनुष्य से मानवता के एक सूत्र से बंधा हुआ है। इस नियम में शिथिलता पड़ जाए तो सारा जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। स्वार्थ और आत्मतुष्टि की भावना से लोग दूसरों के अधिकार छीन लेते हैं, स्वत्व अपहरण कर लेते हैं, शक्ति का शोषण कर लेने से बाज नहीं आते। इन विश्रृंखलता के आज सभी ओर दशर्न किए जा सकते हैं। अपनी स्वादप्रियता के लिए जानवरों, पशु-पक्षियों की बात दूर रही, लोग दुधमुंहे बच्चों तक का मांस खा जाते हैं, ऐसे समाचार भी कभी-कभी पढ़ने को मिलते रहते हैं। दवा, श्रृंगार और विलासिता के साधनों की पूर्ति अधिकांश अनैतिक कर्मो से हो रही है। इस जीवन काल में मानवता के संरक्षण के लिए सहानुभूति अत्यन्त आवश्यक है। इसी से दैवी सम्पदाओं का संरक्षण किया जा सकता है। तत्वों से संघर्ष करने के लिये जिस संगठन की आवश्यकता है, उसे सहानुभूति के द्वारा ही पूरा किया जा सकता है। सहानुभूति एक शक्ति है, एक सम्बल है, जिससे मानवता के हितों की रक्षा होती है। सहानुभूति इतनी विशाल आत्मिक भाषा है कि इसे पशु-पक्षी तक प्यार करते हैं। किसी चरवाहे पर सिंह हमला कर दे तो समूह के सारे जानवर उस पर टूट पड़ते हैं, और सींगों से मार-मारकर बलशाली शेर को भगा देते हैं। एक बन्दर की आर्त पुकार पर सारे बन्दर इकट्ठा हो जाते हैं। बाज के आक्रमण से सावधान रहने के लिये चिड़ियां विचित्र प्रकार का शोर मचाती हैं। यह बिगुल सुनते ही सारे पक्षी अपना-अपना मोर्चा मजबूत बना कर छुप जाते हैं। सहानुभूति की भावना से जब पशुओं तक में इतनी उदारता हो सकती है, तो मनुष्य इससे कितना लाभान्वित हो सकता है, इसका मूल्यांकन भी नहीं किया जा सकता। हृदय की विशालता, जीवन की महानता, सहानुभूति से मिलती है। सार्वभौमिक, प्रेम, नियम और ज्ञान प्राप्त करने का आधार सहानुभूति है। इससे सारा संसार एक ही सत्ता में बंधा हुआ दिखाई देता है। सहानुभूति के विकास के साथ चार और सुणों का विकास होता है-1) दयाभाव, 2) उदारता, 3) भद्रता; और 4) अंतर्दृष्टि। सहानुभूति की भावनाएं जितना अधिक प्रौढ़ होती हैं, दया भावना उसी के अनुरूप आवेश-मात्र न रहकर स्वभाव का अंग बन जाती है।

सू-दोकू नवताल -2094

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

सू-दोकू -2093 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1.आफताब शिवदासानी, एशा देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-4
3.'दिल में तुझे बिठा के' गीत वाली शशि कपूर, शबाना आजमी की फिल्म-3
6.'बेदर्दी तेरे प्यार ने दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
7.इमरान हाशमी, उदिता गोस्वामी, की 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली फिल्म-3
9.'चंदा की चांदनी को देखा है' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-3
11.बॉबी देओल, रितेश देशमुख, प्रियंका चोपड़ा की 'दिल तेरी दीवानगी में खो गया है' गीत वाली फिल्म-3
12.फिल्म 'रामकसम' में सुनील दत्त के साथ नायिका कौन थी-2
13.रामगोपाल वर्मा द्वारा निर्मित तथा मनीष श्रीवास्तव निर्देशित गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की एक ताजा फिल्म-1
14.'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-2
15.'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
18.नायक धर्मेन्द्र की फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका कौन-3
19.'लो मेरा प्यार ले लो' गीत वाली राकेश रोशन, योगिता बाली की फिल्म-4
22.राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-3
23.फिल्म 'छलिया' के गीत 'मेरे टूटे हुए दिल से' के गीतकार का प्रथम नाम-3
24.'छोटा सा घर होगा बादलों की छांव में' गीत वाली किशोर कुमार की फिल्म-3
26.जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट अभिनीत फिल्म-3
27.मिथुन चक्रवर्ती, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
29.शत्रुघ्न सिन्हा की 'बरखा रानी जरा जम के बरसो' गीत वाली फिल्म-3
31.'दो नैनों के पंख लगा कर' गीत वाली विनोद खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2094

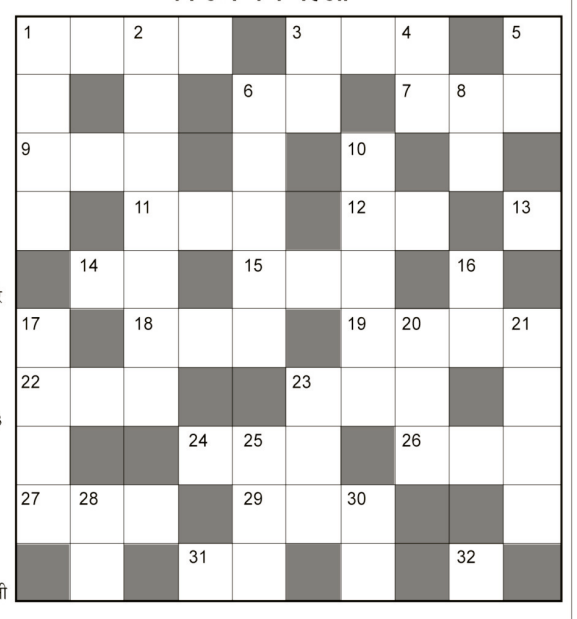

ऊपर से नीचे:-

1.'मेरे दिल ने तड़प के' गीत वाली राजेश खन्ना, सिम्पल कपाड़िया की फिल्म-4
2.धर्मेन्द्र, रेखा की 'अरे रफ्ता रफ्ता देखो आंख मेरी लड़ी है' गीत वाली फिल्म-3,3,1
3.'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली आमिर खान, काजोल की फिल्म-2
4.डिनो, बिपाशा की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
5.'दिल में जागी धड़कन जैसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
6.जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'नैनों में सपना, सपनों में सजना' गीत वाली फिल्म-5
8.नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्राफ, नगमा की 'मत पूछ मेरे महबूब सनम' गीत वाली फिल्म-2
10.'ये है रेशमी जुल्फों का' गीत वाली बिस्वजीत, आशा पारेख की फिल्म-2,3
16.अजय देवगन, रवीना टंडन की 'मैं नये जमाने की लैला' गीत वाली फिल्म-2
17.'दर्पण को देखा तूने जब जब किया सिंगार' गीत वाली फिरोज खान, संजय खान, मुमताज की फिल्म-4
20.'धक धक दिल मेरी' गीत वाली फिल्म 'मजबूर' में सनी के साथ नायिका कौन थी-3
21.धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरुद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली फिल्म-4
23.'हां जुदाई से डरता है दिल' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-3
25.लकी अली और पाकिस्तानी अभिनेत्री मीरा की 'बेचैनियों में लम्हा' गीत वाली फिल्म-3
28.देव आनंद वाली फिल्म 'बनारसी बाबू' की नायिका कौन थी-2
30.ऋषि, टीना मुनीम की 'दर्दे दिल दर्दे जिगर दिल में जगाया आपने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2093

प	हे	ली		जु	बै	दा		दौ	
र		ड	र		रा		स	ड़	क
दे	व	र		दा	ग		त्य		र्ज
स	र		शि	वा		शि	का	र	
	दा	न	व		चा		म	जा	ल
शा	न		रा	ज	ह	ठ		मु	
ली		ओ	म		त		श	रा	बी
मा	सू	म		फ		दा	मा	द	
र		का	पों	रे	ट				जू
	ही	रा		ब		अ	न	क	ही

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कंपनियों के तिमाही परिणाम और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल कंपनियों के तिमाही पे रिणामों और वैश्विक रुख से तय होगी। लंबी छुट्टियों वाले पिछले सप्ताह के बाद सोमवार को शेयर बाजारों में कारोबार फिर शुरू होगा। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन में कोराना संक्रमण की स्थिति भी बाजार का आगे का रुख तय करेगी।

बाजार के जानकारों का कहना है कि घरेलू और वैश्विक मोर्चे पर कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं होने की वजह से इस सप्ताह बाजार की दिशा कंपनियों की कमाई से तय होगी। बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। मार्च के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को आएंगे। बाजार सोमवार को दो प्रमुख कंपनियों इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देगा।' भारत की दूसरी सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर सेवा कंपनी इन्फोसिस का मार्च तिमाही का मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 5,686 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी का परिणाम पिछले सप्ताह आया है। कंपनी ने 2022-23 में अपने कारोबार में 13-15 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद जताई है। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का मार्च, 2022 में समाप्त तिमाही के लिए मुनाफा 22.8 प्रतिशत बढ़कर 10,055.2 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी का तिमाही नतीजा शनिवार को आया था।

इस सप्ताह माइंडट्री, एसीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, नेस्ले और हिंदुस्तान जिंक के कमाई के आंकड़े आएंगे। उनका कहना है कि आमदनी के सीजन की शुरुआत के साथ आने वाले दिनों में घरेलू बाजार में क्षेत्र विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,108.25 अंक टूटा, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 308.70 अंक नीचे आया।

विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा बाजार की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुझान, रुपए और कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

सोना 901 और चांदी में 2363 रुपए की साप्ताहिक बढत

मुंबई । विदेशी बाजार में जोरदार बढ़ोतरी की वजह से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 901 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी में 2363 रुपए प्रति किलोग्राम की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में तेजी रही। सोना हाजिर 37.7 डॉलर प्रति औंस चढ़कर सप्ताहांत पर 1977.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 41.9 डॉलर प्रति औंस की छलांग लगाकर 1977 डॉलर प्रति औंस हो गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 1.12 डॉलर प्रति औंस चढ़कर 25.69 डॉलर प्रति औंस रही।

एचडीएफसी बैंक बांड जारी कर 50,000 करोड़ जुटाएगा

नई दिल्ली । प्राइवेट क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने कहा कि वह अगले एक साल में बांड जारी कर 50,000 करोड़ रुपए का वित्त जुटाएगा। बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में बांड जारी करने का फैसला लिया गया। इससे जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल ढांचागत क्षेत्र को वित्त मुहैया कराने और ग्राहकों को किफायती आवासीय ऋण देने में किया जाएगा। एचडीएफसी बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि अगले एक साल में बांड जारी कर 50,000 करोड़ रुपए जुटाने के प्रस्ताव को निदेशक मंडल ने मंजूरी दी है। शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद यह रकम निजी आवंटन के जरिए जुटाई जाएगी। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक ने रेणु कर्नाड को गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में फिर से नियुक्त किए जाने की जानकारी भी दी। रेणु सितंबर, 2022 से अगले पांच वर्षों तक निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बनी रहेंगी। रेणु वर्ष 2010 से ही आवासीय वित्त कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड की प्रबंध निदेशक हैं। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड ने हाल ही में विलय की घोषणा की हुई है।

श्रीलंका का शेयर बाजार एक सप्ताह बंद रहेगा

कोलंबो । गहरे वित्तीय एवं राजनीतिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका के शेयर बाजार कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार एक सप्ताह 18 अप्रैल से 22 अप्रैल तक बंद रहेगा। श्रीलंका प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने इसकी घोषणा की। उसने कहा कि निवेशकों को बाजार के बारे में अधिक स्पष्टता एवं समझ पैदा करने के लिए मौका देने के इरादे से कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में इस सोमवार से लेकर शुक्रवार तक कारोबार बंद रखने का फैसला किया गया है। कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज के निदेशक मंडल ने एक दिन पहले एसईसी से कारोबार को अस्थायी तौर पर बंद करने का अनुरोध किया था। इसके लिए श्रीलंका की मौजूदा परिस्थितियों का हवाला दिया गया था। एसईसी ने यह फैसला पिछले कुछ सप्ताह से श्रीलंका में जारी भारी आर्थिक संकट और फिर उसके बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए उठाया है। श्रीलंका के पास ईंधन एवं रोजमर्रा के सामान खरीदने के लिए भी जरूरी विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो चुकी है। हालत यह हो गई है कि श्रीलंका सरकार ने विदेशी कर्जों के भुगतान को स्थगित कर दिया है।

बिजली मांग बढ़ने से महाराष्ट्र को कोयले की आपूर्ति भी बढ़ाई: केंद्र सरकार

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में इस महीने महाराष्ट्र को अधिक कोयला मुहैया करवाया गया है और बिजली की मांग बढ़ने के साथ आपूर्ति बढ़ाई गई है। मंत्रालय ने कहा कि गैस आधारित उत्पादन और जलविद्युत के साथ कई तरह के मुद्दे हैं लेकिन कोयले के लिहाज से किसी भी तरह का संकट नहीं है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि पिछले महीने महाराष्ट्र में ऊर्जा संयंत्रों को प्रतिदिन 2.14 लाख टन कोयला आपूर्ति की गई थी जबकि चालू महीने में (11 अप्रैल तक) यह बढ़कर 2.76 लाख टन प्रतिदिन हो गया। एक दिन पहले कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने राज्य में बिजली संकट के लिए केंद्र सरकार द्वारा कोयले की कम आपूर्ति करने को जिम्मेदार ठहराया था।

गोयल ने प्लास्टिक उद्योग से आयात निर्भरता कम करने का कहा

मुंबई ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने प्लास्टिक उद्योग से आयात पर निर्भरता कम करने और अगले चार-पांच साल में 100 अरब डॉलर का उद्योग बनने की दिशा में प्रयास करने को कहा। गोयल ने कहा कि भारतीय प्लास्टिक उद्योग में वृद्धि की काफी संभावना है और यह दुनिया का अग्रणी आपूर्ति केंद्र बनने का माद्दा रखता है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्लास्टिक उद्योग को आयात कम करने और आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है। 17 अरब डॉलर का आयात बताता है कि बाजार को लेकर संभावनाएं मौजूद हैं। गोयल ने प्लास्टिक निर्यातकों की संस्था प्लेक्सकोसिंल के निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे भरोसा है कि अगले चार से पांच साल में प्लास्टिक उद्योग को 100 अरब डॉलर का बनाने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। हमें उस स्तर पर पहुंचने की महत्वाकांक्षा रखनी चाहिए।

पांच फीसदी के कर स्लैब को समाप्त करने के प्रस्ताव पर किया जा सकता है विचार

पांच प्रतिशत स्लैब को बढ़ाकर 9 प्रतिशत तक करने पर चर्चा कर रही सरकार

नई दिल्ली ।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की अगले महीने होने वाली बैठक में पांच प्रतिशत के कर स्लैब को समाप्त करने के प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। जानकारी के मुतो बिक इसके स्थान पर कुछ अधिक खपत वाले उत्पादों को तीन प्रतिशत और शेष को आठ प्रतिशत के स्लैब में डाला जा सकता है। ज्यादातर राज्य राजस्व बढ़ाने को लेकर एक राय रखते हैं, जिससे उन्हें मुआवजे के लिए केंद्र पर निर्भर नहीं रहना पड़े। फिलहाल जीएसटी में 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत के चार कर स्लैब हैं। इसके अलावा, सोने और स्वर्ण आभूषणों पर तीन प्रतिशत कर लगता है। इसके अतिरिक्त कुछ बिना ब्रांड (अनब्रांडेड) और बिना पैकिंग (अनपैक्ड) वाले उत्पाद हैं जिनपर जीएसटी नहीं लगता है। सूत्रों ने कहा कि राजस्व बढ़ाने के लिए परिषद कुछ गैर-खाद्य वस्तुओं को तीन प्रतिशत स्लैब में लाकर कर छूट प्राप्त वस्तुओं की सूची में कटौती करने का निर्णय ले सकती है। बताया जा रहा है कि पांच प्रतिशत स्लैब को बढ़ाकर 7 या 8 या 9 प्रतिशत करने की चर्चा चल रही है। इस पर अंतिम निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा लिया जाएगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री की अगुवाई वाली जीएसटी परिषद में सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। गणना के अनुसार पांच प्रतिशत स्लैब में प्रत्येक एक प्रतिशत की वृद्धि से लगभग सालाना 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। हालांकि विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है लेकिन माना जा रहा है कि परिषद में अधिकांश वस्तुओं के लिए आठ प्रतिशत जीएसटी पर सहमति बनने की उम्मीद है। फिलहाल इन उत्पादों पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत है। जीएसटी के तहत आवश्यक वस्तुओं पर या तो सबसे कम कर लगाया जाता है या उन्हें कर से पूरी छूट मिलती है।

वहीं विलासिता और अहितकर वस्तुओं पर सबसे अधिक कर लगता है। इन पर 28 प्रतिशत कर के साथ उपकर भी लगता है। इस उपकर संग्रह का इस्तेमाल राज्यों को जीएसटी को लागू करने से राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है।

(तेल-तिलहन बाजार समीक्षा)

बीते सप्ताह तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार का रुख रहा

- रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से खाने के तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से कीमतें कम हुईं

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से खाने के तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से लगभग इनकी कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच सरसों, मूंगफली जैसे देशी तेल-तिलहनों के भाव आयातित तेलों से भी सस्ते हैं। सभवतः यह पहला मौका है जब पामोलीन तेल के भी मुकाबले सरसों तेल और सरसों रिफाइंड का भाव कम हो गया है।` जिससे मांग बढ़ने के कारण सरसों, मूंगफली, बिनौला जैसे देशी तिलहनों के भाव पर्याप्त सुधार के साथ बंद हुए। थोक बाजार में पामोमीन तेल 162 रुपए किलो जबकि सरसों तेल 150 रुपए किलो और सरसों रिफाइंड 154 रुपए किलो है। सरसों तेल की बाजार में अधिकतम कीमत लगभग 160-162 रुपए लीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। सस्ता होने के कारण जोरदार मांग के चलते पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 40 रुपए सुधरकर 7,490-7,540 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 150 रुपए सुधरकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 15,000 रुपए क्विंटल और सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 20-20 रुपए सुधार के साथ क्रमशः 2,370-2,445 रुपए और 2,420-2,520 रुपए टिन पर बंद हुईं। जानकारी के मुतो बिक विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख के बीच बीते सप्ताह सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 25-25 रुपए के लाभ के साथ क्रमशः 7,775-7,825 रुपए और 7,475-7,575 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी तरह समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी सुधार रहा। सोयाबीन दिल्ली, इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 850 रुपए, 600 रुपए और 700 रुपए सुधरकर क्रमशः 16,850 रुपए, 16,300 रुपए और 15,300 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव लाभ दर्शाते बंद हुए। मूंगफली दाना 75 रुपए, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपए के सुधार के साथ क्रमशः 6,800-6,895 रुपए और 15,750 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव भी 40 रुपए सुधरकर 2,610-2,800 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ।

कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव भी 300 रुपए सुधरकर 14,200 रुपए क्विंटल हो गया। पामोलीन दिल्ली का भाव भी 400 रुपए सुधरकर 16,250 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 400 रुपए सुधरकर 15,000 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का भाव 400 रुपए सुधरकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

विश्व बैंक रिपोर्ट- भारत में 8 सालों में विकास की नई सीढ़िया चढ़ी, गरीबी 12.3 फीसदी घटी

नई दिल्ली ।

विकास की सीढ़िया चढ़ते भारत ने अपने गरीबी वाले चोले को उतार फेंकने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी लिहाजा, चरम गरीबी में 2011 की तुलना में 2019 में 12.3 प्रतिशत की कमी आई है। गरीबी का आंकड़ा 2011 में 22.5 फीसदी से घटकर 2019 में 10.2 फीसदी हो गया है। गरीबी में ग्रामीण क्षेत्रों में तुलनात्मक रूप से तेज गिरावट आई है। विश्व बैंक पॉलिसी रिसर्च के वर्किंग पेपर में यह जानकारी दी गई है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से प्रकाशित वर्किंग पेपर में भी कहा गया था कि भारत ने चरम गरीबी को लगभग समाप्त कर दिया है। साथ ही राज्य की ओर से दिए जाने वाले खाद्य हैंडआउट्स के माध्यम से 40 वर्षों में उपभोग असमानता अपने निम्नतम स्तर पर है।

ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में ज्यादा आई कमी: शहरी भारत की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी में कमी अधिक आई है। ग्रामीण गरीबी 2011 में 26.3 फीसदी से घटकर 2019 में 11.6 फीसदी हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह गिरावट इसी अवधि के दौरान 14.2 फीसदी से घटकर 6.3 फीसदी हो गई। विश्व बैंक के वर्किंग पेपर में कहा गया है कि ग्रामीण और शहरी गरीबी में 2011-2019 के दौरान 14.7 और 7.9 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है। भारत में गरीबी पिछले एक दशक में कम हुई है, लेकिन उतनी नहीं जितनी पहले सोचा गया था। यह पेपर संयुक्त रूप से अर्थशास्त्री सुतीर्थ सिन्हा रॉय और रॉय वैन डेर वेइड ने लिखा है। विश्व बैंक नीति शोध कार्य पत्रों का उद्देश्य विकास पर विचारों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और रिसर्च के नतीजों को शीघ्रता से प्रसारित करना है। अध्ययन के अनुसार, छोटे आकार की जोत वाले किसानों ने उच्च आय वृद्धि का अनुभव किया है। इसमें कहा गया है, ÷सबसे छोटी जोत वाले किसानों के लिए वास्तविक आय में दो सर्वेक्षण दौर (2013 और 2019) के बीच वार्षिक रूप से 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि सबसे बड़ी जोत वाले किसानों के लिए 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व बैंक का पेपर काफी अहम है, क्योंकि भारत के पास हाल की अवधि का कोई आधिकारिक अनुमान नहीं है। अंतिम व्यय सर्वेक्षण 2011 में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की ओर से जारी किया गया था, जब देश ने गरीबी और असमानता के आधिकारिक अनुमान भी जारी किए थे।

स्कोडा भारत में कुशाक मोंटे कार्लो एडिशन लांच करने की तैयारी में

मुंबई ।

स्कोडा 9 मई को भारत में कुशाक मोंटे कार्लो एडिशन लांच करने वाली है। मोंटे कार्लो एडिशन कुशाक एसयूवी का टॉप वैरिएंट होगा और लांच होने पर इसकी कीमत लगभग 18-20 लाख रुपये होने की उम्मीद है। अन्य मोंटे कार्लो एडिशन बैज वाली स्कोडा कार की तरह कुशाक के अपकमिंग कार के डिजाइन में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। कुशाक के नए टॉप-स्पेक वेरिएंट के डिजाइन में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसमें ब्लैक-आउट ग्रिल, हेड और टेललाइट्स के लिए स्मोक इफेक्ट के साथ-साथ मिरर, रूफ रेल और व्हील्स के लिए ब्लैक पेंट कलर शामिल होना चाहिए। टॉप-स्पेक एसयूवी में बाहर की तरफ मोंटे कार्लो बैजिंग की सुविधा होने की भी उम्मीद है, जो इस गाड़ी को कुशाक की अन्य गाड़ियों से थोड़ा अलग कर देती है। स्कोडा कुशाक मोंटे कार्लो एडिशन के इंटीरियर में भी कुछ आधुनिक बदलाव होने की उम्मीद है। इनमें रेड हाइलाइट्स के साथ एक डॉर्क इंटीरियर शामिल हो सकता है। मोंटे कार्लो एडिशन को भी नई स्लाविया सेडान की तरह डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले सुविधा मिल सकती है। इस गाड़ी में फ्लोटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले एंड्राइड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट करेगा।

स्कोडा स्लाविया में नियमित कुशाक पर पाए जाने वाले 1.0-लीटर और 1.5-लीटर पेट्रोल पावर प्लांट दोनों की सुविधा होने की उम्मीद है। 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन 5,000 आरपीएम पर 114 बीएचपी की पावर और 178 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है। बड़ा 1.5-लीटर इंजन 5,000 आरपीएम पर 148 बीएचपी की पॉवर और 1,500आरपीएम पर 250एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। दोनों इंजनों को 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। छोटा 1.0-लीटर इंजन 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक या 7-स्पीड ट्विन-क्लच डीएसजी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। कुशाक देश के सबसे लोकप्रिय सेगमेंट में से एक है।

आरबीआई ने बाजार में 18 अप्रेल से कारोबार का समय बदला

- कारोबार सुबह 10 बजे के बजाय 9 बजे से ही शुरू होगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेगुलेटेड मार्केट यानी नियमन वाले बाजारों में कारोबार का समय बदल` दिया है। बाजार का नया टाइम टेबल 18 अप्रैल, सोमवार से लागू हो जाएगा। नए टाइम टेबल के अनुसार अब कारोबार सुबह 10 बजे के बजाय 9 बजे से ही शुरू होगा और 3.30 बजे तक जारी रहेगा। आरबीआई ने बाजार के समय को 30 मिनट बढ़ाया है। आरबीआई ने कहा है कि कोरोना प्रतिबंध समाप्त होने और लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियां हट जाने तथा दफ्तरों में कामकाज सामान्य होने के चलते वित्तीय बाजारों में कारोबार की शुरुआत सुबह नौ बजे से करने का फैसला किया गया है। आरबीआई ने कहा है कि अब विनियमित वित्तीय बाजारों के लिए उनके महामारी पूर्व समय सुबह 9:00 बजे खुलने का समय बहाल किया जाए। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और सरकारी प्रतिभूतियों में लेनदेन अब बदले हुए समय के साथ ही हो पाएगा।

गौरतलब है कि कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए आरबीआई ने 7 अप्रैल, 2020 को बाजार के समय में बदलाव किया था। उस समय कारोबार के समय को आधा घंटा कम करते हुए बाजार का समय सुबह 10 बजे से दोपहर बाद 3.30 बजे तक किया गया था लेकिन अब स्थिति सामान्य होने पर बाजार में कारोबार के लिए पुराने टाइम टेबल को लागू किया जा रहा है।

अप्रैल के पहले पखवाड़े में ईंधन की बिक्री में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

ईंधन की कीमतों में बीते 16 दिनों में बढ़ोतरी होने की वजह से इसकी मांग में गिरावट आई है जिससे अप्रैल के पहले पखवाड़े में देश में ईंधन की बिक्री घट गई। पेट्रोलियम उद्योग के आरंभिक आंकड़ों में यह तथ्य सामने आया। मार्च के पहले पखवाड़े की तुलना में अप्रैल के पहले 15 दिनों में पेट्रोल की बिक्री करीब 10 फीसदी कम रही और डीजल की मांग भी 15.6 फीसदी घट गई। इसी तरह एक से 15 अप्रैल के बीच घरेलू रसोई गैस एलपीजी की खपत में भी मासिक आधार पर 1.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें करीब साढ़े चार महीने तक स्थिर रखने के बाद 22 मार्च को पहली बार बढ़ाई थीं।

उसके बाद छह अप्रैल तक के 16 दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 10-10 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई। घरेलू रसाई गैस की कीमत में भी 22 मार्च को 50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी जिसके बाद दिल्ली में गैर-सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर के दाम 949.50 रुपए हो गए थे।

विमानों में ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होने वाले एटीएफ के भाव भी नई मूल्य वृद्धि के बाद 1,13,202.33 रुपए प्रति किलोलीटर हो गए हैं और इसकी बिक्री में मासिक आधार पर 20.5 फीसदी की गिरावट आई है। पेट्रोलियम उद्योग के आरंभिक आंकड़ों के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने एक से 15 अप्रैल के बीच 11.20 लाख टन पेट्रोल बेचा जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले करीब 12.1 फीसदी अधिक और 2019 की समान अवधि की तुलना में 19.6 फीसदी अधिक है। ह

लांकि पेट्रोल की खपत मार्च 2022 की समान अवधि के मुकाबले 9.7 फीसदी कम है। मार्च के पहले पखवाड़े में तेल कंपनियों ने कुल 12.4 लाख टन पेट्रोल की बिक्री की थी। देश में सबसे ज्यादा उपयोग में लाए जाने वाले ईंधन डीजल की बिक्री सालाना आधार पर 7.4 फीसदी बढ़कर करीब 30 लाख टन हो गई।

Sports

वास फिर बने श्रीलंकाई टीम के तेज गेंदबाजी कोच

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व क्रिकेटर चामिंडा वास को राष्ट्रीय टीम का तेज गेंदबाजी कोच बनाया है। वहीं पूर्व बल्लेबाज नवीद नवाज को सहायक कोच बनाया है। यह दोनो टीम के नये मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड के साथ मिलकर काम करेंगे। नवीद साल 2020 में बांग्लादेश की अंडर-19 विश्व विजेता टीम के कोच भी रहे थे। श्रीलंकाई टीम के साथ उनकी नियुक्ति दो साल के लिए हुई है। वहीं वास पहले भी कई बार तेज गेंदबाजी कोच रहे हैं। अब टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें एक बार फिर से यह ज़िम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा पियल विजेटुंगे को श्रीलंकाई टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच बनाया गया है,जबकि मनोज अबेविक्रमा टीम के फ़ील्डिंग कोच बनेंगे। ये सभी कोच मई में श्रीलंकाई टीम से जुड़ेंगे। इससे पहले मिकी ऑर्थर की जगह पर सिल्वरवुड को मुख्य कोच बनाया गया था। नये सहायक कोच नवीद ने श्रीलंका की ओर से एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेले हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 36.27 की औसत से 6892 रन बनाए हैं। वहीं वास इससे पहले ऑर्थर के कार्यकाल में भी गेंदबाज़ी कोच रहे थे। दिसंबर में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था, जो उसके बाद से ही नहीं बढ़ाया गया था। वहीं अब इस कार्यकाल को बढ़ा दिया गया है।

रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में आज जीत की लय हासिल करने उतरेगी केकेआर

शाम 7:30 बजे शुरू होगा मैच

मुंबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना चाहेंगी। राजस्थान रॉयल्य की टीम ने अब तक खेले पांच मैचों में तीन जीते हैं जबकि दो में उसे हार मिली है। इस प्रकार 6 अंक लेकर वह चौथे स्थान पर है। वहीं केकेआर के छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ ही 6 अंक है और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर है। केकेआर को शुरुआती जीत के बाद पिछले दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। एक अन्य मैच में उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा था।

केकेआर ने शुरुआती चार में तीन मैच जीतकर सत्र की अच्छी शुरुआत की थी पर इसके बाद टीम को लगातार दो हार से झटका लगा है। ऐसे में जीत की राह पर लौटने के लिए टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार करना होगा। आंद्रे रसेल को छोड़कर केकेआर का कोई भी बल्लेबाज लगातार रन नहीं बना पाया है जो टीम के लिए चिन्ता का कारण है। ऐसे में अगर उसे राजस्थान के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो अन्य खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रसेल ने केकेआर की ओर से अब तक छह मैचों में सबसे ज्यादा 179 रन बनाये हैं और टीम को उनसे इस मैच में भी इसी प्रकार के खेल की उम्मीद रहेगी। उसके कप्तान श्रेयस अय्यर भी छह मैचों में एक अर्धशतक के साथ कुल 151 रन ही बना पाये है। उनके अलावा नितीश राणा और ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर भी लगातार रन नहीं बना पाये हैं।

सैम बिलिंग्स भी खुलकर नहीं खेल पाये हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को छोड़कर कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहा है। उमेश ने 6 मैचों में सबसे ज्यादा 10 विकेट लिए हैं पर उन्हें अन्य गेंदबाजों का सहयोग नहीं मिल रहा है। पिछले सत्र में केकेआर के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिन वरुण चक्रवर्ती को छह मैचों में केवल चार विकेट ही मिले हैं। अनुभवी स्पिन सुनील नारायण भी अब तक नाकाम रहे हैं। पैट कमिंस को तीन मैचों में तीन विकेट ही मिले हैं। वहीं दूसरी ओर राजस्थान की टीम इस मैच में जीत की बड़ी दावेदारी नजर आ रही है। टीम को कप्तान संजू सैमसन और देवदत्त पड्डीकल से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उसकी ओर से बल्लेबाज जोस बटलर और स्पिनर युजवेंद्र चहल काफी अच्छे फार्म में हैं। चहल पांच मैचों में 12 विकेट के साथ शानदार लय में है। उन्होंने इस दौरान सिर्फ 6.80 के औसत रन दिये है पर अनुभवी स्पिनर आर अश्विन अपनी लय हासिल नहीं कर पाये हैं।

उन्होंने पांच मैचों में केवल एक विकेट ही लिया है। तेज गेंदबाजी की बात करें तो न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट सात विकेट लिए हैं। बटलर ने एक शतक और दो अर्धशतक के साथ कुल 272 रन बनाये हैं जबकि शिमरोन हेटमायर एक अर्धशतक की मदद से 197 रन ही बना पाये हैं।

ऐश बार्टी की रिटायरमैंट से ऑस्ट्रेलियाई टेनिस को लाखों डॉलर का घाटा

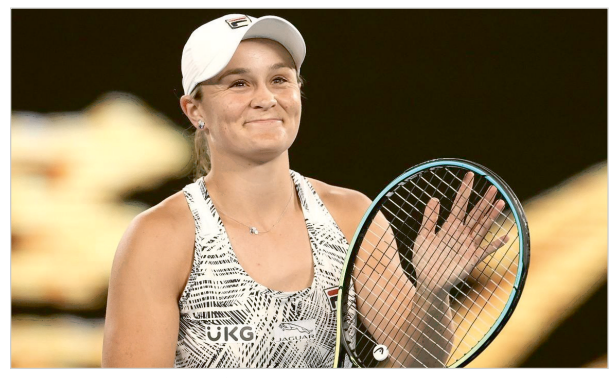

(एजेंसी)

ऐश बार्टी की अचानक रिटायरमैंट टेनिस ऑस्ट्रेलिया को भारी पड़ रही है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने चैनल 9 के साथ पांच सालों में 60 मिलियन का करार किया था जिसके अभी काफी समय बाकी है। बार्टी के दौरान 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन की रेटिंग अच्छी गई थी। लेकिन अब बार्टी के संन्यास के बाद टेनिस प्रबंधन नए प्रसारण सौदे पर बातचीत कर रहा है। आंकलन है कि प्रबंधन को इस कारण 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर गंवाने पड़े हैं। ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन इस साल टेनिस ऑस्ट्रेलिया के लिए बंपर सफलता लेकर आया था। इसमें तत्कालीन विश्व नंबर 1 बार्टी जीती थी जोकि 1978 के बाद पहली ऑस्ट्रेलियाई महिला थीं। डेनियल कॉलिन्स के खिलाफ बार्टी की अंतिम जीत ने चैनल 9 के लिए शानदार रेटिंग हासिल की थी। यह मैच 1999 के बाद से सबसे अधिक देखा जाने वाला महिला फाइनल रहा। टूर्नामेंट के समापन के तुरंत बाद समाचार पत्र 'द ऑस्ट्रेलियन' ने बताया कि टीए उम्मीद कर रहा था कि उनका अगला सौदा पांच वर्षों में प्रति वर्ष 100 मिलियन डॉलर तक कमा सकता है। अब बार्टी की सेवानिवृत्ति ने टीए की सौदेबाजी की स्थिति को काफी कमजोर कर दिया है।

मयंक चोटिल, धवन बने पंजाब किंग्स के कप्तान

मुम्बई (एजेंसी)।

पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल के चोटिल होने के कारण सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले के लिए अनुभवी शिखर धवन को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। मयंक टॉस के लिए भी मैदान में नहीं आए। और उनकी जगह धवन ने टीम की कप्तानी की।धवन ने टॉस के बाद कहा कि मयंक के पैर के अंगूठे में चोट लगी है। वह अगले मैच तक ठीक हो जाएगा। इसलिए टीम में एक बदलाव के तहत मयंक की जगह प्रभसिमरन सिंह को शामिल किया गया है। धवन ने साथ ही कहा कि हम किसी एक पर निर्भर हुए बिना अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हमारा प्रयास इस मैच में भी एक इकाई के रूप में अच्छा खेलना जारी रखना रहेगा। हम इस मैच में अच्छी गेंदबाजी का भी प्रयास करेंगे।

हरियाणा बना 12वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सीनियर पुरूष हॉकी प्रतियोगिता-2022 का विजेता

- शूट आउट में तमिलनाडु को 3-1 से किया परास्त
- कर्नाटक की टीम को मिला तीसरा स्थान
- पूर्व डीजीपी म.प्र. विवेक जौहरी और हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट ज्ञानेन्द्रो निंगोम्बाम ने किया पुरस्कार वितरण

भोपाल। हॉकी इंडिया तथा खेल और युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 6 से 17 अप्रैल, 2022 तक आयोजित 12वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय सीनियर पुरूष हॉकी चैम्पियनशिप-2022 का विजेता होने का गौरव हरियाणा की टीम को मिला। आज खेले गए फायनल मुकाबले में दोनों ही टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच समाप्ति पर दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबरी पर रहा। विजेता का फैसला शूट आउट के जरिए हुआ। शूट आउट में दोनों टीमों को चार-चार मौके दिए गए। हरियाणा ने चार में से तीन गोल किए। जबकि तमिलनाडु की टीम एक ही गोल कर सकी। हरियाणा ने यह मुकाबला 3-1 से जीतकर विजेता होने का गौरव हासिल किया। इस प्रतियोगिता में देश की 27 टीमों के लगभग 800 खिलाड़ियों ने भागीदारी की थी।

इससे पूर्व आज प्रातः 8:00 बजे तीसरे स्थान के लिए हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी कर्नाटक के मध्य मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले को कर्नाटक ने 4-3 से जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

विवेक जौहरी और हॉकी इंडिया

के प्रेसिडेंट ज्ञानेन्द्रो निंगोम्बाम ने किया पुरस्कार वितरण

फायनल मैच के मुख्य अतिथि पूर्व डीजीपी म.प्र. विवेक जौहरी और विशिष्ट अतिथि हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट ज्ञानेन्द्रो निंगोम्बाम रहे। संचालक खेल और युवा कल्याण रवि कुमार गुप्ता ने दोनों अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक जौहरी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए बधाई दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि यह फायनल मुकाबला वास्तव में बहुत ही रोमांचक था। उन्होंने खेल और युवा कल्याण विभाग के इस सफल आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना की और खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने प्रतियोगिता के सभी 21 निर्णायकों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट ज्ञानेन्द्रो निंगोम्बाम, संचालक खेल रवि कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एस यादव, ओलम्पियन जलाल उद्दीन रिज़वी, समीर दाद, नेशनल सेलेक्टर सैय्यद अली विशेष रूप से उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डुप्लेसी ने जीत का श्रेय कार्तिक और शाहबाज को दिया

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान फाफ डुप्लेसी अपनी टीम को दिल्ली कैपिटल्स पर मिली जीत से उत्साहित हैं। इस जीत के साथ ही आरसीबी की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली के खिलाफ जीत हासिल कर प्वाइंट टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। डुप्लेसी ने इस जीत का श्रेय कार्तिक और शाहबाज अहमद को दिया है। कप्तान ने कहा कि इन्होंने अंत में 97 रन की अच्छी साझेदारी की थी। इससे हमारी टीम अच्छी स्थिति में पहुंची। साथ ही कहा कि शीर्ष क्रम के लिए यह अहम होता है कि वह बड़ा स्कोर बनाकर टीम को अपनी ओर से अच्छा योगदान दें पर हमारा शीर्ष क्रम सफल नहीं रहा। ऐसे में मध्य और निचले क्रम के अन्य बल्लेबाजों ने अपनी ओर से अहम योगदान देकर पारी को संभाला। डुप्लेसी ने कहा कि शुरू में इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था पर मैक्सवेल ने जिस तरह से उन पर वापस दबाव बनाया वह महत्वपूर्ण रहा पर 190 रन तक पहुंचने के लिए विशेष पारी की आवश्यकता थी और यह काम शाहबाज और कार्तिक की जोड़ी ने अच्छी तरह से किया।

हार से नाराज कोच पोंटिंग बोले, खेल के सभी पहलुओं पर ध्यान दें

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम को आईपीएल में मिली तीसरी हार पर नाराजगी जतायी है। पोंटिंग ने खिलाड़ियों से कहा कि उन्हें अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। टीम को अब तक पांच मैच में दो जीत ही मिली हैं। उससे अपने पांचवें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से 16 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। इससे टीम के अब तक केवल चार अंक ही हुए हैं और वह आईपीएल तालिका में निचले स्तर पर है। पोंटिंग ने कहा कि अब समय आ गया है जब कैपिटल्स को खेल के सभी पहलुओं पर ध्यान देना होगा। पोंटिंग ने मैच के बाद कहा, 'हमने पूरी ताकत के साथ बल्लेबाजी नहीं की है। बल्लेबाज मिशेल मार्श का यह पहला ही मैच था इसलिए वह उस प्रकार नहीं खेल पाये जैसी उम्मीद थी। वहीं मध्यक्रम में रोवमैन पावेल भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इसलिए हमें देखना होगा कि आगे टूर्नामेंट में क्या किया जा सकता है। पोंटिंग ने कहा, 'बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार की स्पष्ट जरुरत है। कुछ ओवरों में हमारे खिलाफ जमकर रन बने हैं। हमें खेल के सभी पहलुओं को ठीक करना होगा। उन्होंने साथ ही कहा कि आगामी मैचों में सही टीम संयोजन दिल्ली हमारे लिए जरुरी रहेगा। कोच ने कहा, 'अगले दो मैच हमारे लिए काफी अहम रहेंगे। इस दौरान हमें अपने खेल के सभी पहलुओं को देखना होगा और सही टीम का चयन करना होगा।

ऋषभ ने बताया दिल्ली की हार का कारण

जीत के साथ ही अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची आरसीबी

मुम्बई (एजेंसी)।

दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार के बाद कहा है कि हमारी टीम इस मैच को जीत सकती थी पर दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी ने मैच में अंतर पैदा कर दिया। ऋषभ के अनुसार कार्तिक ने जिस प्रकार अंतिम ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की उससे हमें नुकसान हुआ। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने आई बेंगलुरु की टीम ने 20 ओवरों में 189 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम 7 विकेट के नुकसान पर 173 रन ही बना पाई और मैच हार गई। मैच के बाद ऋषभ ने कहा कि हम इसे जीत सकते थे।

कप्तान के अनुसार डेविड वार्नर ने बहुत ही अच्छी बल्लेबाजी कर हमें मैच पर अपना शिकंजा कसने का अवसर दिया। वहीं मिचेल मार्श की धीमी पारी को उन्होंनें हार के लिए जिम्मेदार मानने से इंकार करते हुए कहा कि हम उसे हार का जिम्मेवार नहीं मान सकते क्योंकि यह उसका पहला मैच था। हम बीच के ओवर्स में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते थे पर ऐसा कर नहीं पाये। पिच बल्लेबाजी के लिए लगातार अच्छी हो रही थी। मुस्ताफिजुर का वह ओवर जिसमें कार्तिक ने 28 रन बटोरे उससे मैच में बदलाव आया।

पंत ने आगे कहा कि हम अपनी योजना के तहत गेंदबाजी कर सकते थे पर कार्तिक की बल्लेबाजी से हमारे गेंदबाज दबाव में आ गये। कार्तिक ने अंतिम ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने मैच में एक लक्ष्य तय कर दिया था। इसी कारण हमें स्पिनर कुलदीप का छोर तक बदलना पड़ा।

वहीं दूसरी ओर आरसीबी इस मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने जीत का श्रेय कार्तिक और शाहबाज अहमद को दिया। फाफ ने कहा कि इन्होंने आखिर में 97 रन की शानदार साझेदारी की थी। जिससे टीम अच्छी स्थिति में पहुंची। शीर्ष क्रम के लिए यह अहम है कि हम तेजी से रन बनाकर अपना योगदान दें। हमारा शीर्ष क्रम नहीं चल पाया लेकिन अन्य बल्लेबाजों ने योगदान दिया है।

अच्छे गेंदबाजों की कमी के कारण सीएसके का प्रदर्शन प्रभावित हुआ : वाटसन

मुम्बई (एजेंसी)।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाइ क्रिकेटर शेन वाटसन ने इस बार आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों का खुलासा किया है। वाटसन ने कहा कि टीम के पास अच्छे गेंदबाजों की कमी है। इसी लिए उसे शुरुआती चार मैचों में हार झेलनी पड़ी है। आईपीएल में सीएसके के लिए खेल चुके वाटसन ने कहा कि सीएसके के साथ सबसे बड़ी समस्या उनकी तेज गेंदबाजी में आई कमी है। उन्होंने कहा कि पिछले साल उनके पास शार्दुल ठाकुर था। इस बार दीपक चाहर चोटिल हो गया है। उन्होंने नीलामी में उस पर काफी खर्चा किया पर अब वह टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा। इस कारण अन्य गेंदबाजों पर अधिक दबाव आयेगा। इस बार टीम के पास जोश हेजलवुड जैसा अच्छा विदेशी तेज गेंदबाज भी नहीं है। इससे पहले उनके पास हमेशा विश्व स्तरीय विदेशी तेज गेंदबाज रहे हैं।

भुवनेश्वर पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

मुम्बई (एजेंसी)।

सनराईजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में रविवार को हुए मुकाबले के पावरप्ले में पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन को आउट करने के साथ ही एक अहम रिकॉर्ड अपने नाम किया है। भुवनेश्वर इसी के साथ ही आईपीएल के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड जहीर खान और संदीप शर्मा के नाम था। आईपीएल पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में भुवनेश्वर अब शीर्ष पर पहुंच गये हैं। भुवनेश्वर के नाम अब आईपीएल पावरप्ले में 54 विकेट हो गए। इस मामले में दूसरे स्थान पर संदीप शर्मा हैं जिनके नाम पावरप्ले में 53 विकेट हैं जबकि जहीर के नाम 52 विकेट हैं और वह तीसरे स्थान पर हैं। भुवनेश्वर ने पंजाब के खिलाफ 4 ओवरों में 5.5 की इकॉनमी से 22 रन दिए देते हुए 3 विकेट लिए।

आईपीएल आपको सिखाता है कि दबाव में कैसा प्रदर्शन करना है: रबाडा

नवी मुंबई (एजेंसी)।

पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने उन्हें सिखाया है कि दबाव की परिस्थितियों में कैसे अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, जहां मैचों की प्रकृति 'निरंतर और कठिन' है। आईपीएल 2022 में अपने चार मैचों में रबाडा ने 19.16 की औसत से 8.21 की उच्च इकॉनमी दर से छह विकेट लिए हैं। रबाडा ने कहा कि आईपीएल आपको सिखाता है कि दबाव में कैसे प्रदर्शन करना है। हर एक खेल कठिन है। किसी तरह, हमेशा एक करीबी खेल होता है, चाहे आप किसी भी टीम के लिए खेलें। यह एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता या टूर्नामेंट है। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा आप वास्तव में कर सकते हैं। कभी ब्रेक नहीं मिलता है, हर गेंद एक घटना है। रबाडा ने स्वीकार किया कि इस सीजन में गर्मी में खेलना एक कठिन चुनौती होगी क्योंकि दोनों पक्षों के खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर ठोस परीक्षण के तहत आता है। यह गर्म है। मैं वास्तव में यहां बाहर खड़ा हूँ और मौसम यह इतना गर्म होने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन यह कुछ ऐसा है जिससे हमें निपटना है। जाहिर है यह एक चुनौती होने वाली है और देखते हैं कि हम कैसे करते हैं। इसलिए हम अपनी फिटनेस के मामले में जितना हो सके उतना पेशेवर बनने की कोशिश कर रहे हैं। देखते हैं कि आज यह हमें कितना आगे ले जाता है। आईपीएल 2022 में पंजाब द्वारा पावर-प्ले ओवरों में ज्यादातर इस्तेमाल किए जाने वाले रबाडा को लगता है कि विश्लेषकों के जुड़ने से खेल बेहद पेशेवर हो गया है और इस तरह के परिदृश्य में गेंदबाजों को अपने अनुभव पर भरोसा करने की जरूरत है। खेल विश्लेषण के साथ बहुत अधिक पेशेवर हो गया है और हर टीम को अब अपना विश्लेषण मिल गया है। हर टीम योजना बना रही है और हम यही कर रहे हैं। हम हर बल्लेबाज को देखते हैं और मुझे यकीन है कि बल्लेबाज गेंदबाजों को भी देखते हैं। रबाडा ने कहा कि हम वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ खेले हैं। इसलिए हमारे पास भी एक तरह का विचार है,

लेकिन लोग एक ही काम करते हैं। हर समय वे कुछ नया लेकर आते हैं। आपको बस टिके रहने की जरूरत है, खेल में आने से पहले विश्लेषक के साथ तैयारी करें और सबसे महत्वपूर्ण बात, बस अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें।

रोहित ने टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली

मुम्बई ।

मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि उन्हें स्वयं समझ नहीं आ रहा कि टीम को किस प्रकार जीत की राह पर लाया जाये। आईपीएल के इस सत्र में अभी तक मुम्बई की टीम अपने सभी छह लीग मैच हार गयी है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही है। रोहित स्वयं भी बल्लेबाजी में अधिक रन नहीं बना पाये हैं। उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 41 रन ही रहा है। रोहित ने लखनऊ सुपर जायंट्स के हाथों 18 रनों से मिली हार के बाद कहा कि अगर मुझे पता होता कि क्या गलत हो रहा है, तो मैं उसे ठीक कर देता पर यह सिलसिला समाप्त नहीं हो रहा है। मैं हर मैच के लिए जिस तरह से तैयारी करता हूं, अब भी वैसे ही कर रहा हूं पर परिणाम सही नहीं आ रहा। कप्तान ने कहा कि मैं टीम को जीत नहीं दिला पाने की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। इसके साथ ही मैं मैदान में जाकर खेल का उसी तरह से आनंद लेना चाहता हूं जैसा की पिछले कई वर्षों से ले रहा हूं। उन्होंने कहा कि अब हमें आगे के मैचों के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। किसी भी हार से दुनिया समाप्त नहीं होती और हम वापसी का प्रयास करते रहेंगे। रोहित ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से गेंदबाजी की शुरुआत नहीं करने के अपने फैसले को भी सही बताया है। उन्होंने कहा कि दूसरे गेंदबाजों का प्रदर्शन भी बेहतर होना चाहिये। उन्होंने कहा कि उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की पर दूसरे गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन कर उनका सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हम छह मैचों में हार गये हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारा सही संयोजन क्या है, यह सब प्रतिद्वंद्वी टीम पर भी निर्भर करता है।

रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

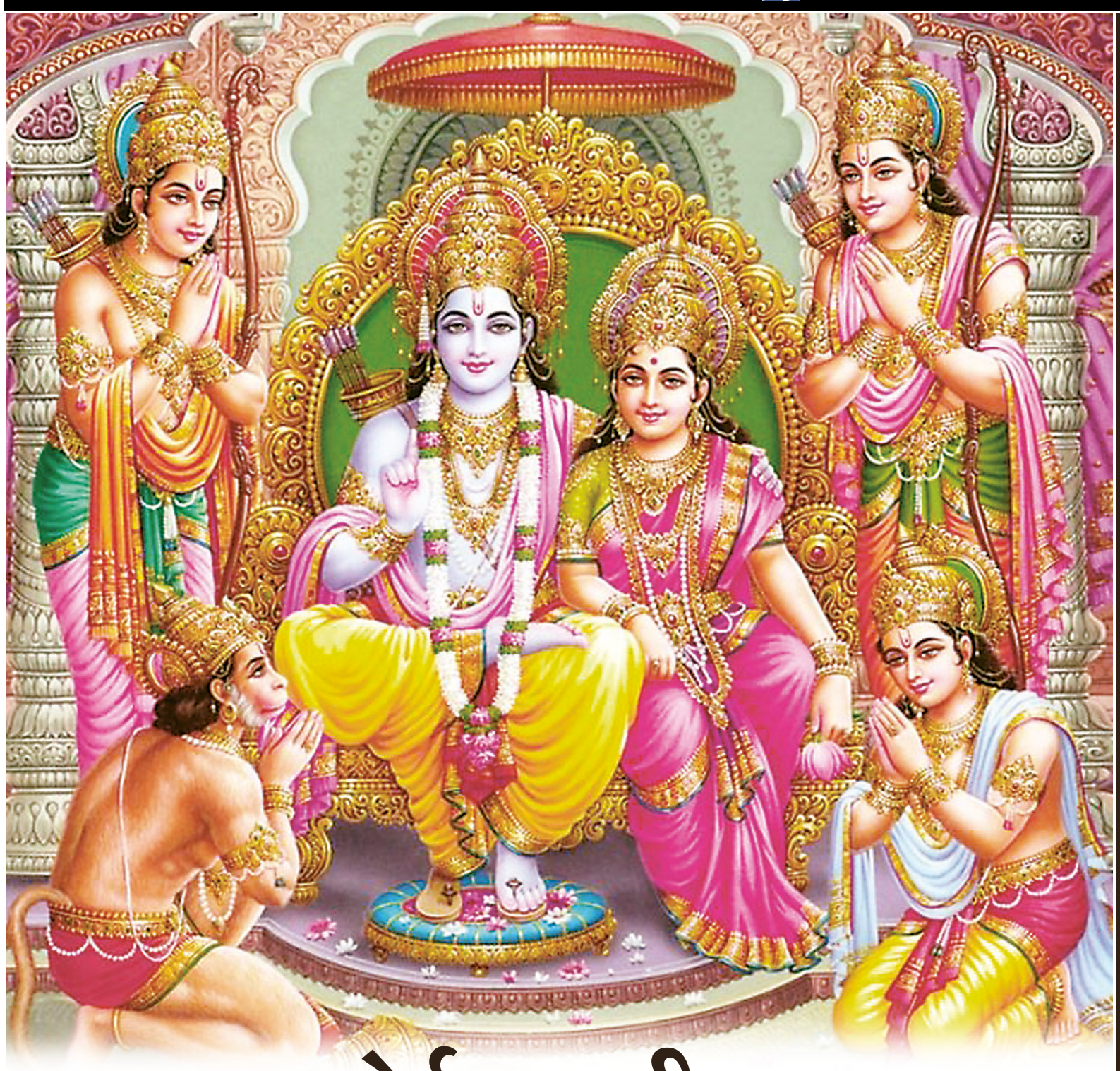

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।
रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई ब्धधद्द्यद्ग मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है? वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।
पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।
यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे। इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें। इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

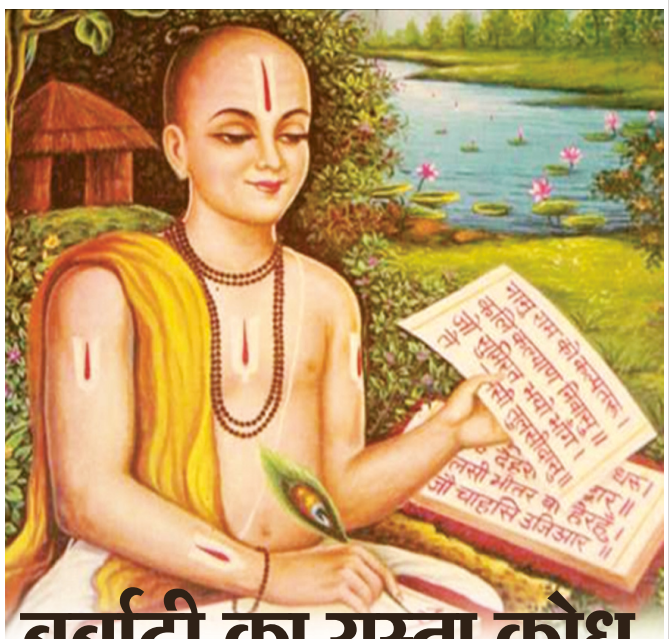

हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।

क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में

स्मरण शक्ति बेहतर- हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।

रक्तचाप नियंत्रण- शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।

हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर- इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बाधंने को लेकर भी बात कहीं गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।

काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहां कोई ओर अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

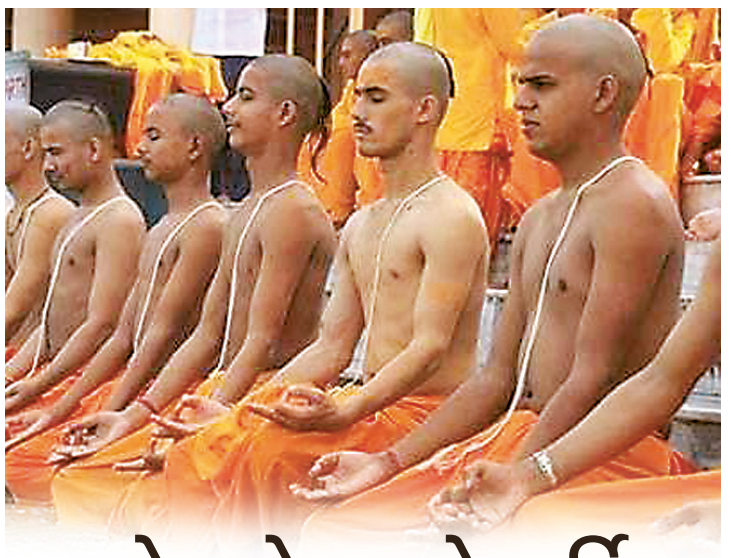

बर्बादी का रास्ता क्रोध
रामचरितमानस मे भी है जिक्र

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नहीं हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-
क्रुद्धः पापं न कुर्यात कः कृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्धः परुषया वाचा नरः साधूनधिक्षिपेत
कः क्रुद्धः पापं न कुर्यात, कृद्धः गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्धः नरः परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।
तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नहीं करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख सम्रद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावरण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।

मनी प्लांट की दिशा- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पानी में रखें- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।

बेल को जमीन पर न आने दें -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।

खराब पत्ते- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

श्रीलंका के शेयर बाजार में कारोबार अगले हफ्ते रहेगा बंद

कोलंबो। गहरे वित्तीय एवं राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के शेयर बाजार कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में कारोबार एक हफ्ते तक बंद रहेगा। श्रीलंका प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी घोषणा की। उसने कहा कि निवेशकों को बाजार के बारे में अधिक स्पष्टता एवं समझ पैदा करने के लिए मौका देने के इरादे से कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में इस सोमवार से लेकर शुक्रवार तक कारोबार बंद रखने का फैसला किया गया है। इस घोषणा का मतलब है कि 18 अप्रैल से शुरू होकर 22 अप्रैल तक कोलंबो शेयर बाजार में कारोबार अस्थायी तौर पर बंद रहेगा। कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज के निदेशक मंडल ने एक दिन पहले एसईसी से कारोबार को अस्थायी तौर पर बंद करने का अनुरोध किया था। इसके लिए श्रीलंका की मौजूदा परिस्थितियों का हवाला दिया गया था। एसईसी ने यह फैसला पिछले कुछ हफ्तों से श्रीलंका में जारी भारी आर्थिक संकट और फिर उसके बाद उपजी राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए उठाया है। श्रीलंका के पास ईंधन एवं रोजमर्रा के सामान खरीदने के लिए भी जरूरी विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो चुकी है। हालत यह हो गई है कि श्रीलंका सरकार ने विदेशी कर्जों के भुगतान को स्थगित कर दिया है। आर्थिक संकट गहराने से देश भर में सरकार विरोधी प्रदर्शन भी तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

पुतिन और सऊदी अरब के प्रिंस सलमान ने द्विपक्षीय संबंधों और तेल पर चर्चा की

रियाद। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शनिवार को सऊदी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी वार्ता है। सऊदी प्रेस एजेंसीके अनुसार, दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों और 'सभी क्षेत्रों में उन्हें बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।' दोनों नेताओं के बीच हुई फोन पर बातचीत के संबंध में सऊदी द्वारा जारी बयान के अनुसार, क्राउन प्रिंस ने यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान के लिए किए जाने वाले प्रयासों के प्रति समर्थन जताया। सऊदी ने हाल ही में यूक्रेन के शरणार्थियों की मानवीय सहायता के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर राशि की घोषणा की है। क्रेमलिन द्वारा जारी बयान के अनुसार दोनों नेताओं के बीच यमन में जारी संघर्ष पर चर्चा हुई जहां सऊदी नीत गठबंधन वर्षों से युद्ध लड़ रहा है। साथ ही दोनों के बीच 'ओपेक+' पर भी चर्चा हुई।

पाक सैनिकों ने अफगानिस्तान में की एयर स्ट्राइक, महिलाओं-बच्चों सहित 40 नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा अफगानिस्तान में की गई एयरस्ट्राइक में बच्चों और महिलाओं सहित 40 से अधिक अफगान नागरिक मारे गए हैं। शुक्रवार रात को खोस्त और कुनार प्रांतों के विभिन्न हिस्सों में पाकिस्तानी विमानों ने हमले किए। तालिबान शासनकाल में पहली बार पाकिस्तानी सैन्य विमानों ने अफगान धरती पर बमबारी की, जिसमें 40 से अधिक नागरिक मारे गए। हालांकि, पाकिस्तान अपने प्रॉक्सी बलों, तालिबान और मुजाहिदीन के माध्यम से अफगानों को दशकों से मारता रहा है। इस घटना में मारे गए लोगों की लाशों की एक तस्वीर भी सामने आई है। खोस्त और कुनार प्रांतों के स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को पुष्टि की कि पाकिस्तानी विमानों ने प्रांतों के विभिन्न हिस्सों पर हवाई हमले किए। घटना के बाद तालिबान ने पाकिस्तान के राजदूत मंसूर अहमद खान को तलब किया। देश के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अफगान विदेश मामलों के कार्यवाहक मंत्री अमीर खान मुत्ताकी और कार्यवाहक उप रक्षा मंत्री अल्हाज मुल्ला शिरीन अखुंद बैठक में मौजूद थे। उन्होंने पाकिस्तानी बलों की ओर से किए गए हमलों की निंदा की। इसने ट्वीट किया, काबुल में पाकिस्तानी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। आईईए के विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी के साथ, सत्र में उप रक्षा मंत्री अल्हज मुल्ला शिरीन अखुंड भी शामिल थे, जहां अफगान पक्ष ने इसकी निंदा की। विश्लेषकों के अनुसार, ये हमले पाकिस्तान के सीधे हस्तक्षेप और अफगान राष्ट्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का संकेत देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राजनीतिक विश्लेषक सादिक शिनवारी ने कहा, खोस्त और कुनार में (डूरंड रेखा) के साथ पाकिस्तानी बलों की ओर से किए गए हवाई हमले और ग्राउंड ऑपरेशन्स अफगान हवाई क्षेत्र में एक स्पष्ट उल्लंघन और हस्तक्षेप है।

हिमाचल को लद्दाख से जोड़ने के लिए दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग बनाएगा बीआरओ

मनीला । सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) हिमाचल प्रदेश को लद्दाख से जोड़ने के लिए 16,580 फुट की ऊंचाई पर शिंकु ला दर्रे पर दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग बनाएगा। बीआरओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने शिंकु ला दर्रे पर सामरिक रूप से महत्वपूर्ण हिमाचल प्रदेश से जंस्कार रोड का उद्घाटन करते हुए यह बात कही।
लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी ने कहा कि बीआरओ इस साल जुलाई तक हिमाचल प्रदेश को लद्दाख में जंस्कार घाटी तक जोड़ने वाली सुरंग का निर्माण शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पूरा करने के लिए बीआरओ के 'प्रोजेक्ट योजक' को लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस सुरंग का निर्माण 2025 तक पूरा हो जाएगा और यह जंस्कार घाटी की अर्थव्यवस्था बदल देगी।

भारत ने कोविड मृत्यु दर के आकलन के लिए डब्ल्यूएचओ की पद्धति पर सवाल उठाए

नयी दिल्ली। भारत ने देश में कोविड-19 मृत्यु दर का आकलन करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की पद्धति पर शनिवार को सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की गणितीय मॉडल का इस्तेमाल इतने बड़े भौगोलिक आकार और जनसंख्या वाले देश के लिए मृत्यु के आंकड़ों का अनुमान लगाने में नहीं किया जा सकता। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 16 अप्रैल को प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स के 'भारत वैश्विक कोविड मृतक संख्या सार्वजनिक करने के डब्ल्यूएचओ के प्रयास बाधित कर रहा है' शीर्षक वाले लेख के जवाब में यह कहा है। मंत्रालय ने कहा कि देश ने विश्व स्वास्थ्य निकाय द्वारा अपनायी जाने वाली पद्धति पर कई बार अपनी चिंताएं व्यक्त की है। मंत्रालय ने बयान में कहा, 'भारत की मूल आपत्ति नतीजे से नहीं रही है बल्कि इसके लिए अपनायी जाने वाली पद्धति से रही है।' स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने डब्ल्यूएचओ को लिखे छह पत्रों समेत कई औपचारिक संदेशों के जरिए अन्य सदस्य देशों के साथ इस पद्धति पर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं।

इमरान खान ने अपने अभियान के लिये विदेश में रह रहे पाकिस्तानियों से चंदा मांगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने विदेश में रह रहे पाकिस्तानियों से देश की नयी सरकार के खिलाफ पार्टी द्वारा शुरू किए गए अभियान के लिए धन दान करने की अपील की है। खान ने शुक्रवार को ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि विदेशी साजिश के माध्यम से पाकिस्तानी लोगों पर एक भ्रष्ट सरकार थोपी गई है। खान (69) ने नेता प्रतिपक्ष व पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री बनने के लगभग एक सप्ताह बाद कहा, यह 22 करोड़ पाकिस्तानी लोगों का अपमान है। खान ने अपने अभियान को हकीकी आजादी (वास्तविक स्वतंत्रता) नाम देते हुए कहा कि उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विदेशी पाकिस्तानियों से चंदा इकट्ठा करने के लिये नामंजूर डॉट कॉम नामक वेबसाइट बनाई है।

कोलंबो में राष्ट्रपति भवन के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए एक श्रीलंकाई किशोर।

रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाना शांति की दिशा में अहम कदम होगा : जेलेंस्की

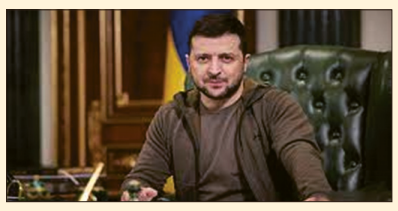

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि रूस पर लगाए गए मौजूदा प्रतिबंध उसके लिए 'कष्टकारी' हैं, लेकिन ये रूसी सेना को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। जेलेंस्की ने 'लोकतांत्रिक दुनिया' से रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने की अपील की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जहां इस तरह का प्रतिबंध लगाया है, वहीं यूरोप रूसी ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर है, जबकि बाइडन प्रशासन भारत को रूसी ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाने से रोकने का प्रयास कर रहा है। जेलेंस्की ने शुक्रवार रात राष्ट्र के नाम जारी एक वीडियो संदेश में कहा, 'लोकतांत्रिक दुनिया को यह स्वीकार करना चाहिए कि ऊर्जा संसाधनों के लिए रूस को मिलने वाला धन वास्तव में लोकतंत्र के विनाश के लिए इस्तेमाल होने वाला धन है।' उन्होंने कहा, 'लोकतांत्रिक दुनिया जितनी जल्दी यह समझ लेगी कि रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाना और उसके बैंकिंग क्षेत्र को पूरी तरह से अवरुद्ध करना शांति के लिए आवश्यक कदम है, युद्ध उतनी ही जल्दी समाप्त हो जाएगा।

रूस ने कीव पर नए सिरे से हमले शुरू किए, अन्य शहरों को भी निशाना बनाया

कीव (एजेंसी)

रूसी सेना ने शनिवार को कीव, पश्चिमी यूक्रेन और इससे सटे इलाकों में हमले तेज कर दिए। यह कार्रवाई यूक्रेन के लागों और उनके पश्चिमी समर्थकों को इस बात की याद दिलाती है कि रूस के पूर्व की ओर नए सिरे से हमले तेज करने के बावजूद पूरा देश खतरे में है। काला सागर में अपने एक महत्वपूर्ण युद्धपोत के नष्ट होने और रूसी क्षेत्र में यूक्रेन के कथित आक्रमण से भड़के मॉस्को ने यूक्रेन की राजधानी पर नए सिरे से मिसाइल हमले करने की चेतावनी दी थी। रूसी अधिकारियों ने कहा कि वे युद्ध के 52 दिनों के दौरान सैन्य स्थलों को निशाना बना रहे थे।
हालांकि, यूक्रेन के लोगों ने रूस के इस दावे का खंडन किया है। यूक्रेन में मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हर दिन आम नागरिकों के मारे जाने का खुलासा होता है। रूसी सेना के करीब दो सप्ताह पहले पीछे हटने के बाद कीव के बाहरी कस्बों और गांवों में अधिकारियों ने 900 से अधिक नागरिकों के शव मिलने की सूचना दी थी, जिनमें से अधिकांश की गोली मारकर हत्या की गई है। शनिवार तड़के राजधानी से एक बार फिर धुएं का गुबार उठा और महापौर विताली क्लित्स्को ने वहां हमले की सूचना दी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। महापौर ने उन निवासियों को वापस नहीं आने की सलाह दी है, जो युद्ध भड़कने पर शहर से पलायन कर गए थे। क्लित्स्को ने कहा, 'हम राजधानी पर और हमले की आशंका से इनकार नहीं कर रहे हैं। यदि आपके पास उन शहरों में थोड़े दिन और रहने का विकल्प है, जहां आप सुरक्षित हैं तो वहीं पर रहें।' हालांकि, कीव के दार्नित्स्की जिले में हमले के बाद के जमीनी हालात और इससे हुई क्षति के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। राजधानी के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित इस जिले सोवियत शैली के कई अपार्टमेंट, शॉपिंग सेंटर, बड़े रिटेल आउटलेट, औद्योगिक इकाइयां और रेल यार्ड मौजूद हैं।
रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेंकोव ने कहा कि एक बख्तरबंद वाहन संयंत्र को निशाना बनाया गया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह संयंत्र कहां स्थित था, लेकिन दार्नित्स्की जिले में इस तरह का एक कारखाना होने की सूचना है। प्रवक्ता के मुताबिक, यह संयंत्र लंबी दूरी की बेहद सटीक मिसाइलों से निशाना बनाए गए कई यूक्रेनी सैन्य प्रतिष्ठानों में से एक है। रूसी सेना द्वारा इस सप्ताह यूक्रेनी राजधानी पर मिसाइल हमले तेज करने की चेतावनी दिए जाने के बीच यह कीव में दूसरा बड़ा हमला था। इससे पहले, रूसी सेना ने शुक्रवार को यूक्रेन के एक मिसाइल संयंत्र को निशाना बनाया था।

पीटीआई नेता फवाद चौधरी ने चेताया, कहा- पाक में गृहयुद्ध का अंदेशा

-नाराज आवाम को नहीं रोक पाएंगे इमरान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान की सियासत में इमरान खान सरकार के पतन के बाद भले ही नई सरकार का गठन हो गया हो लेकिन सियासी खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। आलम यह है कि सियासतदानों की ओर से मुल्क के गृहयुद्ध की आग में झुलसने का अंदेशा जताया जा रहा है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता फवाद चौधरी ने चेतावनी दी है कि देश गृहयुद्ध की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने शनिवार को पंजाब विधानसभा में विपक्ष और ट्रेजरी बेंच के बीच हुई हिंसा पर उक्त आशंका जताई।
समाचार के मुताबिक इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ और पीएमएल-एन के सदस्यों के आपस में उलझने की वजह से पंजाब विधानसभा का सत्र जबरदस्त हंगामें में बदल गया। पीटीआई और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद के सांसदों ने कथित तौर पर पंजाब के डिप्टी स्पीकर दोस्त मुहम्मद मजारी के साथ मारपीट की जिससे उन्हें सेवानिवृत्त होने के लिए मजबूर होना पड़ा। हंगामें के दौरान विधानसभा में पुलिस दाखिल हुई। रिपोर्ट के मुताबिक फवाद चौधरी ने ट्वीट कर कहा, 'हम पूरी तरह से गृहयुद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। अभी तक इमरान खान ने अत्यधिक संयम बरता है लेकिन वह मौजूदा हालात से नाराज भीड़ को नहीं रोक पाएंगे। यदि हालात नहीं संभले तो हम देश को गृहयुद्ध में झुलसता हुआ देखेंगे।' अपने विरोधियों को 'आयातित नेता' बताते हुए फवाद चौधरी ने कहा कि वे देश नहीं छोड़ पाएंगे। देश में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल सुप्रीम कोर्ट की 'विफलता' से जुड़ी है।

रूस ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ-साथ कई शीर्ष मंत्रियों व नेताओं पर प्रतिबंध लगाया

लंदन (एजेंसी)

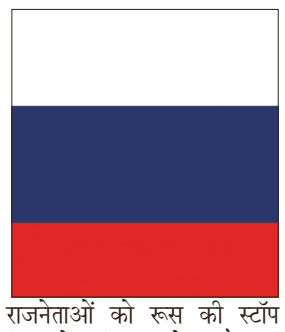

रूस ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और कई शीर्ष मंत्रियों तथा नेताओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि यूक्रेन संघर्ष को लेकर इन नेताओं की अभूतपूर्व शत्रुता कार्रवाइयों के चलते ये कदम उठाया गया है।
मॉस्को द्वारा जारी की गई तथाकथित स्टॉप लिस्ट में जिन 13 ब्रिटिश राजनेताओं के नाम शामिल हैं, उनमें भारतीय मूल के ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक और गृह मंत्री प्रीती पटेल के अलावा उप प्रधानमंत्री डोमिनिक राब, विदेश मंत्री लिज ट्रूस और रक्षा मंत्री बेन वालास भी शामिल हैं।
रूसी संघ के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, ब्रिटिश सरकार की अभूतपूर्व शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के चलते, विशेषकर रूसी संघ के शीर्ष अधिकारियों पर लागू किए गए प्रतिबंधों के मद्देनजर, ब्रिटेन सरकार के प्रमुख सदस्यों और राजनेताओं को रूस की स्टॉप लिस्ट में शामिल करने का फैसला लिया गया है।
बयान के मुताबिक, ब्रिटेन द्वारा रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने के उद्देश्य से चलाये गये राजनीतिक अभियान की प्रतिक्रिया में यह कदम उठाया गया है।
बयान में कहा गया, यह अभियान हमारे देश की घरेलू अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए चलाया गया। ब्रिटेन का नेतृत्व जानबूझकर यूक्रेन के आसपास हालात को विकट बनाने के साथ ही घातक हथियारों को उपलब्ध कराकर कीव शासन को उकसा रहा है और नाटो की ओर से इसी तरह के प्रयासों का समन्वय कर रहा है।

शाहबाज शरीफ की सरकार मुझे खेल से बाहर करने की कर रही कोशिश: इमरान

कराची। (एजेंसी)

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया है कि शहबाज शरीफ नीत 'आयातित सरकार' उन्हें 'खेल से बाहर' करने की कोशिश कर रही है। इमरान खान ने साथ ही उन्हें सत्ता से बाहर करने को एक 'फिक्स' मैच करार दिया, जिसका मकसद पाकिस्तानियों को विदेशी ताकतों का गुलाम बनाना है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान ने शनिवार रात एक रैली को संबोधित करते हुए लोगों से सवाल किया कि क्या उन्हें लगता है कि उनकी (खान की) सरकार 'साजिश या हस्तक्षेप' की शिकार हुई है। उन्होंने कहा कि कराची यात्रा का उद्देश्य उनकी राजनीतिक पार्टी के हित में नहीं था, बल्कि यह पाकिस्तान और उसके बच्चों के भविष्य के लिए है। पीटीआई के खिलाफ विदेशी चंदा मामले पर बात करते हुए खान ने कहा कि यह मामला उन्हें 'खेल से बाहर' (राजनीतिक परिदृश्य) करने के लिए दर्ज किया गया है। अपने संबोधन में खान ने कहा, 'मैं देश को यह बताना चाहता हूं कि मैं कभी किसी देश के खिलाफ नहीं रहा। मैं भारत विरोधी, यूरोप विरोधी और अमेरिका विरोधी नहीं हूं। मैं दुनिया की मानवता के साथ हूं। मैं किसी देश के खिलाफ नहीं हूं,मैं सभी के साथ मित्रता चाहता हूं, किसी की गुलामी नहीं।'

उन्होंने कहा, 'मैं कहता हूं कि विदेशी चंदा और उनके (शहबाज शरीफ) भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई साथ में चलनी चाहिए।' खान ने आशंका जताई कि उनके और उनके पूर्व मंत्रिमंडल के खिलाफ संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) और राष्ट्रीय जबावदेही ब्यूरो(एनएबी) 'झूठे मामले' दर्ज कर सकती है। विदेशी चंदा मामला 14 नवंबर 2014 से लंबित है, और इसे पीटीआई के संस्थापक सदस्य अकबर एस बाबर ने दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि देश में और विदेशों से पार्टी के वित्तपोषण में कुछ वित्तीय अनियमितताएं हैं। खान ने अपने समर्थकों से कहा, 'अगर आप हमें दीवार की ओर धक्का दोगे, तो आप को नुकसान पहुंचेगा, देश को नहीं। हमें शांतिपूर्वक रहना है।' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, 'कराची मैं दिल से आपका शुक्रिया अदा करता हूं। मैं यहां कुछ खास चीजों पर बात करने आया हूं,क्योंकि समस्या आपकी और आपके बच्चों के भविष्य की है। हमारे देश के खिलाफ यह साजिश...मैं चाहता हूं कि आप ध्यान से सुनें कि यह साजिश थी या हस्तक्षेप।'
खान ने आरोप लगाया, 'मुझे एक पत्रकार ने बताया कि हम पर बहुत रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस हिसाब से साजिश कुछ वक्त से चल रही थी और तभी अमेरिका में हमारे राजदूत डोनाल्ड लू (दक्षिण तथा मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री) से मुलाकात की।' इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री ने न्यायपालिका को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि उन्होंने देश का कानून कभी नहीं तोड़ा। खान ने जानना चाहा कि उन्होंने कौन सा जुर्म किया था कि न्यायपालिका को पिछले शनिवार आधी रात में अदालतें खोलने की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने कहा, 'मैंने पाकिस्तान की दो बड़ी धर्मार्थ संस्थाएं स्थापित कीं। मैंने शौकत खानम बनाया और दो विश्वविद्यालय बनवाए। मैं इकलौता नेता हूं, जिसे पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने सादिक और अमीन घोषित किया है।' पूर्व क्रिकेटर खान ने क्रिकेट की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए कहा कि जब उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया,तब वह जानते थे कि 'मैच फिक्स' है।

रूसी सेना ने मारीपोल में यूक्रेनी सैनिकों को दी चेतावनी, कहा- जिंदा रहना है तो हथियार डाल दें, बच जाएंगे

मास्को (एजेंसी)

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में रूस के भीषण हमले लगातार जारी है। रूस की सेना ने यूक्रेन के जवानों को हथियार डालने के लिए आज तक का समय दिया है। रूस की तरफ से जारी अल्टीमेटम में कहा गया है कि यदि यूक्रेन के जवान जिंदा रहना चाहते हैं तो वो अपने हथियार डाल दें। रूस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि उसके सैनिकों ने मारीपोल के अधिकतर हिस्से पर अपना कब्जा कर लिया है। लेकिन अब भी यूक्रेनी सेना के कुछ जवान वहां पर बचे हैं जो अब भी मुकाबला कर रहे हैं। रूस ने साफ कहा है कि यदि ये जवान हथियार डाल देते हैं तो इनकी जान भी बख्श दी जाएगी। इस बीच रूस ने कीव में कई मिसाइलें दागी हैं, जिसमें यूक्रेन को काफी क्षति पहुंची है। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन के खारकीव पर कब्जा कर लिया है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ब्रिटेन और स्वीडन से मारीपोल को बचाने के लिए विकल्पों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि मारीपोल से ही ये तय होगा कि हमें लड़ाई या कूटनीति में से किसके सहारे आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने समर्थक देशों से भारी हथियार मांगे हैं, जिससे वो रूस का मुकाबला कर सकें। वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन के सबसे अमीर व्यक्ति ने मारीपोल को दोबारा पहले जैसा बसाने की बात कही है।
ज्ञात हो कि मारीपोल पर कब्जा करने में यदि रूस सफल हो जाता है तो ये युद्ध शुरू होने के बाद पहला ऐसा बड़ा शहर होगा, जिस पर रूस का कब्जा होगा। राष्ट्रपति जेलेंस्की की तरफ से कहा गया है कि हालात बेहद नाजुक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। यूक्रेन के सैनिक बुरी तरह से घिर चुके हैं। उनकी मदद भी नहीं की जा रही है और मानवीय संकट बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने कहा कि रूसी युद्धपोत के काला सागर में डुबोए जाने के बाद रूस ने लंबी दूरी की मिसाइलों से कीव को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। शनिवार को रूसी मिसाइलों के हमले में टैंक रिपेयर फैक्टरी ध्वस्त हो गई है। कीव के आसपास के इलाकों में लगातार मिसाइल धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है।
रूसी नौसेना के प्रमुख, एडमिरल निकोलाई येवमेनोव ने काला सागर में डूबे युद्धपोत मोस्कवा के चालक दल के सदस्यों से मुलाकात की है और उन्हें कहा है कि वो आगे भी अपनी अहम भूमिका निभाते रहेंगे। रूस ने कीव में मिसाइल हमले से एक आर्मर्ड प्रोडेक्शन यूनिट की बिल्डिंग को ध्वस्त कर दिया है। इंटरफैक्स न्यज एजेंसी ने बताया है कि रूस के हमले में मिलिट्री रिपेयर फेसेलिटी की बिल्डिंग को भी धराशायी कर दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

आंध्र प्रदेश: हनुमान जयंती जुलूस के दौरान पथराव के बीच 15 घायल, 20 हिरासत में लिए गए

नयी दिल्ली। पिछले कुछ दिनों में देश में महौल काफी सांप्रदायिक तौर पर बिगड़ा दिखाई दे रहा हैं। नवरात्रि और रमजान इस बार साथ में ही पड़े थे। ऐसे में हर साल की तरह राम नवमी और हनुमान जयंती के जुलूस भी निकाले गये। इस दौरान देश के कई हिस्सों में हिंसा की घटनाएं हुए। दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के जुलूस के दौरान हिंसा हुई। इसके अलावा तमाम सुरक्षा बरतने के बावजूद आंध्र प्रदेश में भी सांप्रदायित हिंसा की वारदात हुई। आंध्र प्रदेश में शनिवार को पथराव की घटना में कम से कम 15 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार यह घटना राज्य के कुरनूल जिले के अलूर से हनुमान जयंती जुलूस के दौरान हुई थी। घटना पर टिप्पणी करते हुए, पुलिस ने कहा कि दो समुदायों के सदस्यों के बीच झड़प हुई, जिसके बाद दोनों ओर से पथराव किया गया। एक अधिकारी ने कहा, कुरनूल जिले के अलूर में दो समुदायों के सदस्यों के बीच झड़प हो गई और दोनों पक्षों की ओर से पथराव किया गया। घटना में कुछ लोग घायल हो गए। घटना स्थल पर पुलिस तैनात है, स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ने आगे कहा कि घटना में कई मामले दर्ज किए गए हैं। इस बीच, घटना के वीडियो के आधार पर 20 लोगों को हिरासत में लिया गया। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। एसपी कुरनूल ने कहा, इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण है और पर्याप्त नागरिक और सशस्त्र बलों को तैनात किया गया है।

कांग्रेस एक संभावना रहित दल, केवल अरविंद केजरीवाल भाजपा को चुनौती दे सकते हैं: आप

नयी दिल्ली चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल होने के बाद आम आदमी पार्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस एक संभावना रहित दल है और केवल आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ही भारतीय जनता पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती पेश कर सकते हैं। प्रशांत किशोर के कांग्रेस की बैठक में शामिल होने संबंधी सवाल के जवाब में आप के राज्यसभा सदस्य एवं पार्टी प्रवक्ता राघव चड्ढा ने पीटीआई-से कहा, कांग्रेस एक संभावना से रहित दल है, जिसके जरिये कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सकता। अगर शून्य को किसी से भी गुणा किया जाए तो नतीजा शून्य ही रहता है। चड्ढा ने कहा, केवल एक ही व्यक्ति है जो भाजपा की चुनावी मशीन को मात दे सकता है और वह व्यक्ति है अरविंद केजरीवाल।

जीतनराम मांझी ने किया ऐलान, 'हम' पार्टी के अगले अध्यक्ष उनके बेटे संतोष कुमार सुमन होंगे

पटना। बिहार में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष और सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने यहां अपने बेटे और कैबिनेट मंत्री संतोष कुमार सुमन को अपनी राजनीतिक विरासत सौंपी। उन्होंने कहा, मैंने (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से हटने और इसे संतोष कुमार सुमन को सौंपने का फैसला किया है। मैं उनके कार्यो को देखने के लिए पार्टी के संरक्षक के रूप में रहूंगा। सुमन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। मांझी ने शनिवार को पटना में एक गरीब चेतना रैली के दौरान आगे कहा, 'मैंने अपनी उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है।' घोषणा के बाद सुमन ने अपने पिता के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। बोचहां विधानसभा उपचुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए मांझी ने कहा, 'भाजपा ने टिकट बंटवारे के दौरान गलती की। भगवा पार्टी ने अमर पासवान को टिकट देने से इनकार कर दिया और बेबी कुमारी को गलत तरीके से टिकट दे दिया।'

मुस्लिम नेताओं की नाराजगी की चचाओं के बीच इफ्तार पार्टी में शामिल हुए अखिलेश

लखनऊ । समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार शाम लखनऊ में एक इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। पिछले कुछ समय से लगातार यह बात सामने आ रही है कि विधानसभा चुनाव के बाद कुछ मुस्लिम नेता उनसे नाराज हैं। पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं है। अखिलेश यादव का इफ्तार पार्टी में शामिल होना काफी अहम माना जा रहा है। बता दें कि अखिलेश यादव ऐशबाग ईदगाह में आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे। हाल ही में मुस्लिम नेताओं ने खबर दी थी कि अखिलेश भले ही कुछ भी बोल दें, लेकिन उनकी आवाज सोशल मीडिया तक ही सीमित है। आजम खान, शहजील इस्लाम और नाहिद हसन समेत कई नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद भी अखिलेश यादव ने कोई खास प्रतिक्रिया नहीं की। कुछ दिन पहले ही समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान जावेद राइन ने आजम खान के समर्थन में इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अखिलेश यादव पर मुसलमानों के लिए न बोलने का भी आरोप लगाया था। सलमान जावेद सुल्तानपुर विधानसभा सीट से सपा सचिव हैं। उन्होंने कहा था कि अखिलेश ने समाजवादी पार्टी के नेताओं के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर चुप्पी साध रखी है, जिसके चलते वह इस्तीफा दे रहे हैं। समाजवादी पार्टी में आजम खान के समर्थन में आवाज आई है। हाल ही में 11 अप्रैल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को सवालों के घेरे में लिया गया था। आजम खान के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खान शानू ने आरोप लगाया था कि अखिलेश यादव नहीं चाहते कि आजम खान जेल से बाहर आएं। फसहात अली ने मुख्यमंत्री योगी के बयान को सही ठहराते हुए आरोप लगाया।

दिल्ली में फिर लॉकडाउन के आसार, 1200 के पार पहुंची कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली में शनिवार को 461 नए मरीज सामने आए, जबकि दो की मौत हो गई। 15 मार्च के बाद यह पहली बार है, जब एक ही दिन में दो लोगों की जान चली गई। वहीं, राजधानी में 51 दिनों के बाद कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 1262 पर पहुंच गई है। इससे पहले छह मार्च को 1261 सक्रिय केस थे। राजधानी में कोरोना के सक्रिय मामलों में 11 अप्रैल से लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दिल्ली में सक्रिय मामलों की संख्या मुंबई के मुकाबले तीन गुना से ज्यादा हो गई है। मुंबई में 345 सक्रिय मामले हैं। मेट्रो शहरों में सर्वाधिक केस बेंगलुरू में 1363 दर्ज किए गए। देशभर में रोजाना के कुल मामलों में एक तिहाई से अधिक मामले दिल्ली से हैं। बीते 24 घंटे में देशभर में 16 अप्रैल को कोरोना के नए कुल 975 मामले दर्ज किए गए। वहीं, दिल्ली में 461 नए संक्रमित मिले।

राज ठाकरे बोले- मुसलमानों को समझना चाहिए कानून से बड़ा धर्म नहीं, 3 मई के बाद देखूंगा कि क्या करना है

नई दिल्ली (एजेंसी)

मस्जिदों में लाउडस्पीकर के जरिए आजान का विरोध राज ठाकरे लगातार कर रहे हैं। इन सबके बीच दावा किया जा रहा है कि उनका यह स्टैंड राजनीतिक है। हालांकि एक बार फिर से राज ठाकरे ने इसको लेकर बड़ा बयान दिया है। राज ठाकरे ने साफ तौर पर कहा है कि हम महाराष्ट्र में दंगे नहीं चाहते। नमाज अदा करने का किसी ने विरोध नहीं किया लेकिन अगर आप इसे (मुसलमान) लाउडस्पीकर पर करेंगे तो हम भी लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करेंगे। मुसलमानों को समझना चाहिए कि धर्म कानून से बड़ा नहीं है। 3 मई के बाद, मैं देखूंगा कि क्या करना है।

दिल्ली जहांगीरपुरी हिंसा पर एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि मुझे लगता है कि इस तरह की बातों का ऐसे ही जवाब दिया जाना चाहिए, नहीं तो वो लोग नहीं समझेंगे। राज ठाकरे 5 जून को अयोध्या जाएंगे। वह अपनी अगली जनसभा एक मई को औरंगाबाद में करेंगे। लाउडस्पीकर विवाद के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने हनुमान जयंती के अवसर पर पुणे के खलकर चौक में हनुमान मंदिर में एक महा आरती में भाग लिया। यह हनुमान चालीसा का पाठ उन्होंने ऐसे समय में किया है जब वह लगातार मस्जिदों से लाउडस्पीकर को हटाने की मांग कर रहे हैं। राज ठाकरे का कहना है कि मस्जिदों से लाउडस्पीकर के जरिए आजान बंद हो अन्यथा वह लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा बजाएंगे।

इससे पहले राज ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि 3 मई तक मस्जिदों में लाउडस्पीकर बंद होने चाहिए वरना हम स्पीकर पर हनुमान चालीसा बजाएंगे। राज ठाकरे ने कहा था कि यह एक सामाजिक मुद्दा है, धार्मिक नहीं। मैं राज्य सरकार से कहना चाहता हूं, हम इस विषय पर पीछे नहीं हटेंगे, आप जो करना चाहते हैं वह करें। वहीं मस्जिदों में लाउडस्पीकर के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने वाले राज ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए शिवसेना सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख को 'नव हिंदू ओवैसी' और उनकी पार्टी को 'नव हिंदुत्व एआईएमआईएम' करार दिया।

अयोध्या में राम मंदिर साल-2024 को मकर संक्रांति पर हो सकता है तैयार : चंपत राय

अयोध्या (एजेंसी)

यूपी में राम मंदिर का निर्माण का तेज गति से चल रहा है वहीं श्रद्धालुओं को भी इसके शीघ्र निर्माण होने की उम्मीद है। राम जन्मभूमि मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट महासचिव चंपत राय ने शनिवार को जानकारी दी है कि मंदिर साल 2024 को मकर संक्रांति पर तैयार हो सकता है। राजधानी दिल्ली में अयोध्या पर्व कार्यक्रम के दौरान राय ने यह घोषणा की है। उन्होंने कहा, 'हालांकि, मैंने पहले कहा था कि राम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन 2023 के अंत में होगा। इसकी तारीख पर अंतिम मुहर नहीं लग पा रही है, क्योंकि सूर्य दक्षिणायन में है। इसलिए मकर संक्रांति पर मंदिर का उद्घाटन करने का हमारा लक्ष्य है, जब सूर्य उत्तरायण में प्रवेश करेगा। जिसे एक शुभ अवसर माना जाता है। तकनीकी तौर पर 14 जनवरी से पहले का दिन पिछले साल का आखिरी दिन होता है।'

राय ने यह भी कहा कि वह दिन होगा, जब भगवान राम अपने वास्तविक स्थान पर विराजेंगे। निर्माण कार्य को लेकर राय ने कहा कि भगवान राम के बैठने के लिए ग्रेनाइट की 6 फीट ऊंची कुर्सी तैयार की गई है। उन्होंने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि एक बार इस साल अगस्त में नींव और कुर्सी का काम पूरा होने पर मंदिर निर्माण शुरू हो जाएगा।'

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पत्थरों के तराशने का काम भी शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2020 में मंदिर की भूमि पूजन की थी। खबरों के अनुसार, राजघाट स्थित गांधी स्मृति एवं दर्शन के परिसर में हो रहे इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में शनिवार सुबह श्रीराम चरित मानस का अखंड पाठ शुरू हुआ। दोपहर में सांसद रमेश विधूड़ी ने अयोध्या पर प्रदर्शनी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने अवधी व्यंजनों की सीता रसोई एवं अवधी हाट का शुभारंभ किया। मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी थे जबकि विशिष्ट अतिथि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के अध्यक्ष एवं मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी कमलनयन दास, महामंत्री चंपत राय और वरिष्ठ पत्रकार जवाहरलाल कौल थे।

बेहतर होने जा रहे हैं भारत-पाक रिश्ते शरीफ ने दिया पीएम मोदी के पत्र का जवाब

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब पाकिस्तान के नए वजीर-ए-आजम ने भी शांति की बात कही है। खबर है कि शरीफ ने शनिवार को पीएम मोदी के पत्र का जवाब दिया और कहा है कि वह भारत के साथ शांतिपूर्ण और सहयोगी संबंध चाहते हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट पर बधाई देने के बाद शरीफ के नाम पत्र भी लिखा था। उस दौरान उन्होंने आतंक मुक्त क्षेत्र की बात कही थी। बीते रविवार को इमरान खान को सत्ता से बाहर करने के बाद सोमवार को शरीफ ने पीएम पद संभाला था। पाकिस्तान की तरफ से प्राप्त पत्र में शरीफ ने कहा कि उनका मुल्क 'क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा' के लिए प्रतिबद्ध है। खबर है कि उन्होंने पत्र में भारत के साथ 'शांतिपूर्ण और सहयोगी' संबंधों की मांग करते हुए लिखा है कि यह 'सार्थक बातचीत' से हासिल किया जा सकता है। पीएम मोदी ने ट्वीट के जरिए शरीफ को बधाई दी थी और शांति की बात कही थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'मियां मुहम्मद शहबाज शरीफ को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के रूप में चुने जाने पर बधाई। भारत आतंक मुक्त क्षेत्र में शांति और स्थिरता चाहता है, ताकि हम अपनी विकास चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें और अपने लोगों की भलाई और समृद्धि को सुनिश्चित कर सकें।' इसके जवाब में शहबाज ने ट्वीट किया था, 'भारत के साथ पाकिस्तान शांतिपूर्ण और सहयोगी रिश्ते चाहता है। जम्मू और कश्मीर समेत कई मुद्दों का शांतिपूर्ण निपटारा बेहद जरूरी है। आतंक के खिलाफ पाकिस्तान के बलिदान को सभी जानते हैं। शांति सुनिश्चित करते हैं और अपने लोगों के सामाजिक-आर्थिक विकास पर ध्यान लगाते हैं।' शरीफ के सत्ता संभालते ही नई दिल्ली की नजरें इस्लामाबाद, रावलपिंडी और लाहौर के घटनाक्रमों पर हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शासन में बदलाव 'राजनयिक शुरूआत' की पेशकश कर सकता है। अधिकारियों का मानना है कि शहबाज द्विपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करने के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि भारत के साथ बेहतर कारोबारी रिश्ते पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं।

अदालत शिक्षा के क्षेत्र के विशेषज्ञ की तरह काम नहीं कर सकती: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि कोई अदालत शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञ की तरह काम नहीं कर सकती और यह तय करना संस्थानों पर छोड़ दिया जाना चाहिए कि कोई उम्मीदवार अपेक्षित योग्यता रखता है या नहीं। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने कहा कि नौकरी के विज्ञापन में उल्लिखित शैक्षणिक योग्यता सेकोई विचलन नहीं हो सकता। पीठ ने कहा, 'शिक्षा के क्षेत्र में अदालत आम तौर पर किसी विशेषज्ञ के रूप में काम नहीं कर सकती, इसलिए यह तय करने की जिम्मेदारी शैक्षणिक संस्थाओं और यदि कोई विशेषज्ञ समिति मामले पर विचार कर रही हो, तो उसपर छोड़ देना बेहतर होगा कि कोई छात्र/उम्मीदवार अपेक्षित योग्यता रखता है या नहीं।'

न्यायालय ने झारखंड के उच्च विद्यालयों में विभिन्न वर्गों के तहत अलग-अलग विषयों के लिए स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षकों के पद पर नियुक्ति की चयन प्रक्रिया के संबंध में झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। शीर्ष अदालत ने कहा कि विज्ञापन के अनुसार उम्मीदवार के पास इतिहास में स्नातकोत्तर/स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। पीठ ने कहा, 'हमने संबंधित रिट याचिकाकताओं के डिग्री/प्रमाणपत्र देखे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित रिट याचिकाकताओं ने इतिहास की शाखाओं में से किसी एक शाखा यानी प्राचीन भारत का इतिहास, प्राचीन भारत का इतिहास एवं संस्कृति, मध्यकालीन/आधुनिक इतिहास, प्राचीन भारत का इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व में से किसी एक में स्नातकोत्तर डिग्री/स्नातक डिग्री प्राप्त की है।' उसने कहा, 'हमारे विचार में, इतिहास की किसी एक शाखा में डिग्री प्राप्त करना इतिहास में डिग्री प्राप्त करना नहीं कहा जा सकता। इतिहास के एक शिक्षक के रूप में उसे इतिहास के सभी विषयों, यानी प्राचीन इतिहास, भारतीय प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति, मध्यकालीन/ आधुनिक इतिहास, प्राचीन भारत का इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व आदि सभी को पढ़ाना होगा।'

कोरोना वायरस के दौरान सरकार की लापरवाही के चलते 40 लाख भारतीयों की मौत हुई: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि सरकार की 'लापरवाही' के चलते कोरोना वायरस महामारी के दौरान 40 लाख भारतीयों की मौत हुई। साथ ही, उन्होंने सभी मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने की एक बार फिर से मांग की। राहुल ने ट्विटर पर न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट का 'स्क्रीनशॉट' (तस्वीर) साझा किया, जिसमें दावा किया गया है कि भारत दुनियाभर में कोविड से हुई मौत के आंकड़े सार्वजनिक करने के विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रयासों में बाधा डाल रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ट्वीट में कहा, मोदी जी ना सच बोलते हैं, ना बोलने देते हैं। वो तो अब भी झूठ बोलते हैं कि ऑक्सीजन की कमी से कोई नहीं मरा! राहुल ने कहा, मैंने पहले भी कहा था- कोविड के दौरान सरकार की लापरवाही के कारण पांच लाख नहीं, बल्कि 40 लाख भारतीयों की मौत हुई है। उन्होंने कहा, फर्ज. निभाईये, मोदी जी-हर पीड़ित परिवार को रू.4 लाख का मुआवजा दीजिए।

उल्लेखनीय है कि भारत ने देश में कोविड-19 मृत्यु दर का आकलन करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की पद्धति पर शनिवार को सवाल उठाते हुए कहा था कि इस तरह के गणितीय मॉडल का इस्तेमाल इतने विशाल भौगोलिक आकार और जनसंख्या वाले देश में मृत्यु के आंकड़ों का अनुमान लगाने में नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 16 अप्रैल को प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स के 'भारत वैश्विक कोविड मृतक संख्या सार्वजनिक करने के डब्ल्यूएचओ के प्रयास बाधित कर रहा है' शीर्षक वाले आलेख के जवाब में यह कहा है। मंत्रालय ने कहा कि देश ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अपनायी जाने वाली पद्धति पर कई बार अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। वहीं, कांग्रेस यह आरोप लगाती रही है कि सरकार ने कोविड -19 से मौत के वास्तविक आंकड़े जारी नहीं किए हैं। पार्टी ने प्रत्येक मृतक के परिवार को चार-चार लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की है। रविवार को अद्यतन किए गए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड से मरने वालों की संख्या बढ़ कर 5,21,751 हो गई है।

भ्रष्टाचार पर केजरीवाल के दावे खोखले, संबित पात्रा बोले- आरटीआई के जरिए सच हुआ उजागर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार को खत्म करने का लगातार दावा करते हैं। तो दूसरी ओर आज भाजपा ने केजरीवाल के भ्रष्टाचार को खत्म करने के दावे को खोखला बता दिया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। संबित पात्रा ने कहा कि 8 जनवरी 2014 को एक भ्रष्टाचार विरोधी एंटी करप्शन हेल्पलाइन अरविंद केजरीवाल ने स्वयं लांच किया था। इस एंटी करप्शन हेल्पलाइन नंबर को लेकर ये दावा किया गया था कि हजारों फोन कॉल इस नंबर पर आ रहे हैं। 5 अप्रैल 2015 को पुनः एक नव गठित हेल्प लाइन लांच किया गया।

संबित पात्रा ने आगे कहा कि दिल्ली में एक ऐसा माहौल बनाया गया कि मानों भ्रष्टाचार के खिलाफ बहुत बड़ी लड़ाई लड़ने की चेष्टा अरविंद केजरीवाल ने की है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि उस समय के जो एबीसी अधिकारी थे, उन्होंने कहा कि जितनी भी कॉल 1031 पर आए, उनका कोई भी रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस कांफ्रेंस करके कहते थे कि हम भ्रष्टाचार समाप्त कर देंगे। हेल्पलाइन नंबर से कुछ नहीं हुआ, किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। केजरीवाल की रणनीति है- कुछ नहीं करना, केवल जिक्र करना और जिक्र का फिक्र करना। उन्होंने दावा किया कि सच का उजागर आरटीआई से हुआ है।

वहीं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के कट्टर ईमानदार मुख्यमंत्री केजरीवाल के मित्र और दिल्ली सरकार के मंत्री सतेंद्र जैन की 5 करोड़ की संपत्ति जो कि फर्जी कंपनियों के नाम पर हवाला कारोबारियों से उन्होंने खरीदी थी उसको जब्त कर लिया गया।

राजस्थान के निजी स्कूलों में फीस नहीं देने पर छात्रों को दी जा रही मानसिक और शारीरिक यंत्रणा

जयपुर (एजेंसी)

कोरोना महामारी ने सबसे ज्यादा बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित किया। इस दौरान फीस न देने की वजह से छात्रों और स्कूलों के बीच काफी विवाद हुआ था। दोनों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। स्कूल किसी न किसी तरह से छात्रों को फीस न देने के चलते दंडित कर रहे हैं। स्कूल उन छात्रों का रिजल्ट रोक रहे हैं और जो फीस का भुगतान करने में असमर्थ हैं और अपने बच्चों को दूसरे स्कूलों में स्थानांतरित करने के लिए कह रहे हैं। कई स्कूलों ने फिर से खुलने के बाद अपनी फीस में 25 प्रतिशत की वृद्धि की है और ड्रेस बदल दी है और परिवहन शुल्क दोगुना कर दिया है। राजस्थान के अभिभावक एकता आंदोलन के प्रदेश अध्यक्ष मनीष विजयवर्गीय ने कहा कि राज्य सरकार ने अभी तक ऐसे किसी भी स्कूल के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पहला उदाहरण एक लड़की का दिया जा सकता है जिसका हाल ही में एक स्कूल शिक्षक द्वारा फीस का भुगतान न करने पर हाथ तोड़ दिया गया था। शिक्षक ने स्कूल खत्म होने के बाद लड़की को रोका और उसके हाथ को इतनी जोर से घुमाया कि वह टूट गया। उसके पिता बादल ने कहा कि उसने अपनी 10 साल की बेटी शिवानी पांचाल की तीन महीने को छोड़कर पूरी फीस जमा कर दी। तब भी स्कूल ने छात्रा को प्रताड़ित करना जारी रखा। उन्होंने कहा कि हाल ही में उसके शिक्षक ने मेरी बेटी को स्कूल में रोक लिया था, उसे थप्पड़ मारा और उसका हाथ जोर से मरोड़ दिया, जिससे उसके हाथ की हड्डी टूट गई। जब लड़की की तबीयत बिगड़ गई, तो शिक्षक ने हमें फोन किया और हमारे साथ दुर्व्यवहार किया। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मैं एक पेट्रोल पंप पर काम करता हूं और जो पैसे मेरे पास आए उससे फीस जमा कर दी है। उन्होंने कहा कि तीन महीने की फीस लंबित थी जिसे वापस करने का वादा किया गया था। एक अन्य स्कूल में, छात्रों को कथित तौर पर धूप में खड़ा करने के लिए कहा गया क्योंकि उनके माता-पिता फीस का भुगतान नहीं कर सकते थे। विद्याश्रम स्कूल में लगभग 500 बच्चों को पुस्तकालय में बैठाया गया, और उनके माता-पिता को उनका रिजल्ट नहीं दिया गया। दरअसल, स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को धमकी दी थी कि बच्चों का प्रमोशन नहीं किया जाएगा जिस पर सैकड़ों अभिभावकों ने स्कूल का विरोध किया। वे स्कूल के बाहर जमा हो गए और प्रदर्शन किया और स्कूल के खिलाफ बजाज नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इस बीच विजयवर्गीय ने बताया कि विद्याश्रम स्कूल के छात्रों के अभिभावकों ने शिकायत दर्ज कराई है कि 80 फीसदी फीस जमा होने के बावजूद मासूम बच्चों को घंटों लाइब्रेरी में रखा जा रहा है। भारत में शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार है, सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट रूप से कहा था कि फीस बकाया होने पर बच्चों को ऑनलाइन और ऑफलाइन परीक्षाओं से नहीं निकाला जाएगा और न ही उनका परीक्षा परिणाम रोका जाएगा। इसके बावजूद जयपुर के कई स्कूल ऐसा कर रहे हैं। विजयवर्गीय ने कहा कि हमने शिकायत की है लेकिन सरकार ने आज तक किसी भी स्कूल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। विजयवर्गीय ने कहा कि हालांकि राज्य सरकार ने ऐसे स्कूलों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं, लेकिन अधिकारियों को कोई जल्दी नहीं है, इसलिए शिकायतों की जांच के लिए गठित समितियों की ओर से कोई अपडेट नहीं आया है।

इंग्लैंड के पीएम बोरिस जॉनसन 21 अप्रैल को आ रहे भारत के दौरे पर

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पीएम बोरिस जॉनसन 21-22 अप्रैल को अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताय कि प्रधानमंत्री के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। जानकारी के मुताबिक, दो दिवसीय बैठक के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री पहले 21 अप्रैल को अहमदाबाद आएंगे और फिर वहां से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

मंत्रालय के अनुसार, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन 21-22 अप्रैल 2022 तक भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में यह उनकी भारत की पहली यात्रा होगी।' इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के व्यापार, रक्षा और यूक्रेन संकट पर चर्चा करने की संभावना है। मंत्रालय ने कहा, 'प्रधानमंत्री रोडमैप 2030 के कार्यान्वयन की समीक्षा करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर बात करेंगे। वे आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों को साझा करेंगे।' 'प्रधानमंत्री जॉनसन का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया जाएगा और वे 22 अप्रैल को प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय परामर्श करेंगे। नई दिल्ली में आधिकारिक कार्यक्रमों के अलावा, ब्रिटेन के प्रधान मंत्री 21 अप्रैल को गुजरात का भी दौरा करेंगे।' मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारत और ब्रिटेन के लंबे वक्त से ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, जिसे 2021 में भारत-यूके वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आरटीआई और ग्राम सभा विषय पर आयोजित हुआ 95 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार

भारत में ग्राम सभाओं को सार्थक बनाने के लिए आरटीआई के साथ सहभागिता अत्यंत आवश्यक-चंद्रशेखर सिंह प्राण

सूचना आयोगों को धारा 4 की पालना करवाते हुए अधिक से अधिक जानकारी करनी चाहिए सार्वजनिक - शैलेश गांधी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूचना के अधिकार कानून और पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम सभा के महत्व को लेकर 95 वां राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर तीसरी गांधी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तशैलेश सिंह प्राण, मिशन ग्राम सभा के सक्रिय सदस्य पूर्व केंद्रीय सूचना सरकार अभियान के संस्थापक और आयुक्त आत्मदीप, फोरम फॉर फास्ट वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रशेखर जस्टिस के ट्रस्टी प्रवीण पटेल जुड़े।

पंचायत राज व्यवस्था में ग्राम सभा की भूमिका विधायिका जैसी - चंद्रशेखर सिंह प्राण

95 वें राष्ट्रीय आरटीआई ग्रामसभा से संबंधित विभिन्न आर्मी तीसरी सरकार अभियान के संस्थापक डॉ चंद्रशेखर सिंह प्राण ने नागरिक शब्द की परिभाषा में बताया कि नागरिक का मतलब सिर्फ 5 साल में चुनाव में भाग लेकर वोट देना नहीं है, नागरिक से तात्पर्य उन व्यक्तियों से है जो लोकतंत्र में अपनी नियमित जिम्मेदारी भी निभातें है। उन्होंने बताया कि स्थानीय सरकार में पंचायत की भूमिका कार्यपालिका बतौर देखा जानें लगा है, जबकि ग्राम सभा की भूमिका विधायिका की होनी चाहिए और जिला व राज्य शासन को कार्यपालिका के तौर पर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर आरटीआई के साथ साथ ग्राम सभा एवं वार्ड सभा की भूमिका को प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक हैं। चूंकि जनता अगर सभाओं में अपनी भागीदारी निभाएं तभी देश का समग्र विकास और पारदर्शिता संभव है।

श्री चंद्रशेखर प्राण
संस्थापक तीसरी सरकार अभियान
नई दिल्ली

ग्राम सभाओं की हो लाइव विडियो रिकॉर्डिंग, लगायें जाएँ सीसीटीवी कैमरे - शैलेश गांधी

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तश्री शैलेश गांधीजी ने बताया गया कि इन सभाओं कि आडियो-विडियो रिकार्डिंग या लाइव के जरिए भी इन सभाओं को सशक्तकिया जा सकता हैं। पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तने कहा सूचना का अधिकार कानून आम जनता का कानून है और धारा 8, 9 अथवा 11 का हवाला देकर कोई भी जानकारी सूचना मांगने वाले से दूर नहीं रखी जा सकती। एक बार उन्होंने पुन: जोर दे कर के कहा की ऐसी जानकारी जिससे कोई देश समाज की क्षति न हो अथवा कोई ऐसी जानकारी जो डीसेंसी और मोरालिटी के विरुद्ध न हो वह समस्त जानकारी आवेदकों को दी जानी चाहिए। उन्होंने एक बार पुन: लोक सूचना अधिकारियों के सूचना न देने वाले एटीट्यूड पर प्रहार करते हुए कहा कि अधिक से अधिक जानकारी आम पब्लिक तक पहुंचने चाहिए और इसमें धारा 4 का रोल महत्वपूर्ण है और धारा 4 का पालन करवाना सभी सूचना आयुक्तों का काम है।

ज्यादातर कागजों पर होती हैं ग्राम सभाएं - प्रवीण पटेल

फोरम फॉर फास्ट जस्टिस के होनोरेरी ट्रस्टी प्रवीण पटेल ने कहा कि स्थिति यह है कि ग्रामीणों को ही नहीं मालूम कि कब ग्राम सभा हुई, कितनी हुई, किस विषय पर होनी है, जिस कारण लोगों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए जागरूक करना जरूरी है. आर टी आई कानून का महत्त्व इसलिए भी बहुत अधिक बढ़ जाता है की कब कौन ग्राम सभाएं हुईं और कौन कौन उपस्थित रहे, किन कार्ययोजनाओं पर चर्चा हुई इन सबके लिए आर टी आई कानून शसक्त हथियार है। उन्होंने अपने कुछ पिछले अनुभव का हवाला देते हुए बताया कि सरकार में बैठे हुए लोग नहीं चाहते हैं कि ग्राम सभा और ग्राम पंचायतें मजबूत बने. उन्होंने कहा कि एक बार ऐसे ही छत्तीसगढ़ और उड़ीसा राज्य में किसी मामले को लेकर उन्हें भी उस समिति में रखा गया था लेकिन पता चला कि दूसरे लोग बिक गए हैं और उनके पास कार और फोर व्हीलर आ चुकी है। उन्होंने खा की यह सब दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे भ्रष्टाचार बढ़ता है। उन्होंने कहा की जनता को आगे आकर अपने हक की लड़ाई लड़नी चाहिए। जनता के हक की लड़ाई जनता को ही लड़नी पड़ेगी तभी देश में वास्तविक स्वतंत्रता और ग्राम स्वराज की स्थापना हो पाएगी। इसके लिए सहभागिता आवश्यक है और वह चद्रशेखर प्राण से सहमत हैं.

श्री प्रवीण पटेल जी
वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्त
एवं Hon.trustee FFFJ

स्वतंत्रता प्राप्ति के ७ दशकों बाद भी ग्रामों की स्थिति दयनीय - पिर्थीपाल सिंह ढिल्लन

कार्यक्रम में प्रारंभ में मिशन ग्राम सभा के सक्रिय सदस्य पिर्थीपाल सिंह ढिल्लन द्वारा अपने अनुभव को साझा किया गया और उन्होंने बताया कि देश में ग्रामीण स्तर पर आने वाली विकास की राशि का बंदरबांट किया जाता है और उसका उपयोग उस तरह नहीं हो पाता जिसके लिए वह जारी की जाती है। उन्होंने कहा कि यह काफी दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है और कभी-कभी ऐसा लगता है कि हम कैसे देश और कैसे वातावरण में जीवन यापन कर रहे हैं जहां देश के गरीब व्यक्तिको और भी गरीब बनाने, दबाने कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना था की इसका समाधान मात्र एक है कि जनता स्वयं ही अपने अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध हो और साथ में ग्राम सभाओं को मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि न केवल ग्रामसभा बल्कि अब तो कई राज्यों में वार्ड सभा का भी प्रस्ताव चल रहा है जिससे ग्रामीण स्तर पर लोकतांत्रिक इकाई मजबूत बनेगी और वास्तविक ग्राम स्वराज की स्थापना होगी।

श्री पिर्थीपाल सिंह ढिल्लन
मेंबर मिशन ग्राम सभा
पंजाब

जानकारी स्पष्ट और एक ही मद विशेष से मागें, कंफ्यूज करने वाली जानकारी न मागें आवेदक-आत्मदीप

कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने दर्जनों प्रतिभागियों के प्रश्नों के जवाब दिए जो कि सूचना के अधिकार से संबंधित थे। उन्होंने बताया कि सूचना के अधिकार के तहत धारा 8 में जो जानकारी नहीं दी जाती है उसका समाधान आयोग स्तर पर द्वितीय अपील पर हो जाता है। उन्होंने बताया कि जब वह सूचना आयुक्तथे तब उन्होंने कई ऐसे मामलों में जानकारी दिलवाई थी और साथ में लोक सूचना अधिकारियों के ऊपर जुर्माना और दंड भी लगाया था। आत्मदीप ने कहा की सूचना के अधिकार कानून में जानकारी स्पष्ट और एक ही मद विशेष से मागनी चाहिए और अधिक विस्तृत नहीं मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा की यदि जानकारी छोटी रहती है और एक ही मद से संबंधित रहती है ऐसे में लोक सूचना अधिकारी कोई बहाना नहीं बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जब वह सूचना आयुक्त थे और जो भी द्वितीय अपीलें उनके पास आती थी उनमें ज्यादातर वृहद और विस्तृत और एक मद से हटकर अन्य मदों की भी जानकारी मांगी जाती थी। हालांकि उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक जानकारी उन्होंने दिलवाए जाने का ही प्रयास किया है। आत्मदीप ने यह भी कहा की सूचना के अधिकार कानून की मंशा ज्यादा से ज्यादा जानकारी सार्वजनिक किए जाने की है और उसमें धारा 4 का रोल काफी महत्वपूर्ण है जिसका पालन करवाने के लिए सरकार का नोडल विभाग डीओपीटी काफी महत्वपूर्ण है और समय-समय पर वहां से सर्कुलर भी जारी होते रहते हैं। इस विषय पर उन्होंने कहा कि वेब पोर्टल पर जाकर डीओपीटी के पोर्टल से जानकारी प्राप्त करें और इन सर्कुलर का हवाला देते हुए विभागों को लिखें और इसकी कंप्लेंट भी करें जिससे पारदर्शिता अपने वास्तविक स्वरूप को प्राप्त कर पाए और आरटीआई कानून चरितार्थ हो सके।

श्री आत्मदीप जी
पूर्व सूचना आयुक्त म.प्र.

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, गुजरात, असम, हरियाणा पंजाब, नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, तमिलनाडु, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल एवं जम्मू कश्मीर आदि राज्यों से सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और अपने अपने अनुभव साझा किए और साथ में अपने प्रश्नों के जवाब भी उपस्थित विशेषज्ञों से प्राप्त किए। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी के द्वारा किया गया